कोटद्वार,शनिवार
1 जून 2024
वर्षः 46
अंकः 41 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

राष्ट्रहित सबसे ऊपर होने चाहिएः कोश्यारी

देहरादून। किसी भी नागरिक के लिए उसके अपने या परिवार के हितों से ऊपर राष्ट्रहित होने चाहिए। सभी वह राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दे सकेगा। ये बात महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल व उत्तराखंड के पूर्व सीएम भगत सिह कोश्यारी ने शुक्रवार को आईआरडीटी आडिटोरियम में स्वर्गीय डा. प्रभाकर उनियाल के कहानी कविता संग्रह पर प्रकाशित पुस्तक स्मृति किरण के विमोचन पर कही। पूर्व सीएम कोश्यारी ने राज्य सभा सांसद नरेश बंसल, आरएसएस के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख जगदीश, क्षेत्र सामाजिक समरसता प्रमुख लक्ष्मी प्रसाद जायसवाल और विश्व संवाद केंद्र के सुरेंद्र मित्तल के साथ स्वर्गीय प्रभाकर उनियाल की पत्नी विनोद उनियाल के साथ दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। किया। इस दौरान भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि डा. प्रभाकर उनियाल का जीवन एक संघर्षशील आम आदमी का जीवन रहा। वे एक अच्छे लेखक के साथ ही अनुशासित इंसान भी थे। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और एबीवीपी जैसे संगठनों में रहकर उन्होंने समाज और राष्ट्र की सेवा में अपना जीवन लगाया। कहा कि अगर उनकी पत्नी विनोद उनियाल ने उनका साथ ना दिया होता तो शायद वे इस उंचाई पर पहुंच पाते। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने रामगीत सहित कुछ अन्य रंगारंग प्रस्तुतियां भी दीं।

अस्पताल के बाहर से महिला का अपहरण कर किया सामूहिक दुष्कर्म

रुड़की। कोतवाली क्षेत्र स्थित दिल्ली रोड पर संचालित एक अस्पताल के बाहर से एक महिला का कार सवार दो बदमाशों ने अपहरण कर लिया। महिला ने दोनों पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर एक नामजद और एक अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है।नगर के मोहल्ला निवासी एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 30 मई की रात को वह अपने पति के साथ अस्पताल में किसी रिश्तेदार से मिलने गई थी। बताया कि उसके पति उसे अस्पताल के बाहर छोड़कर कार को पार्किंग में लगाने चले गए। इसके बाद एक कार में दो युवक वहां पहुंचे और जबरन कार में खींच लिया। इसके बाद आरोपी महिला को जंगल में ले गए। जहां पर आरोपियों ने महिला के साथ दुष्कर्म किया और उसे बदहवास अवस्था में जंगल में ही छोड़ दिया। इसके बाद महिला जंगल से निकलकर एक पेट्रोल पंप पर पहुंची, जहां पर उसे पता चला कि वह झबरेड़ा थाना क्षेत्र में है। इसके बाद महिला ने ग्रामीणों की मदद से पति से संर्पक किया। जिसके बाद महिला का पति मौके पर पहुंचा और महिला को साथ लेकर मंगलौर कोतवाली पहुंचा। महिला ने पुलिस को बताया कि दोनों आरोपी जब आपस में बात कर रहे थे तो एक नाम खुशहाल सामने आया है जबकि दूसरे का नाम वह नहीं जान पाई। इंस्पेक्टर अमरचंद शर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर एक नामजद खुशहाल निवासी अज्ञात तथा एक अन्य के खिलाफ अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़ित महिला को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है।

संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी शाह को दी विहाई

देहरादून। उत्तराखंड के संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रताप शाह सेवानिवृत्त हो गए हैं। शुक्रवार को उन्हें सचिवालय में मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से शानदार विदाई दी गई। इस अवसर पर सचिव निर्वाचन दिलीप जावलकर ने शाह को अधिवर्षता आयु पूर्ण करने पर शुभकामना देते हुए मंगलमय एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने अपने संबोधन में कहा कि प्रताप शाह ने व्यावहारिक, मृदुभाषी और अपने कार्य में दक्ष अधिकारी के रूप में विभिन्न पदों पर कार्य किया। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रताप शाह के साथ बतौर जिलाधिकारी देहरादून रहते हुए कार्य करने का अवसर मिला। संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रताप शाह ने कहा कि 31 साल के सेवाकाल में उन्हें राजस्व विभाग के अधिकारी, निर्वाचन और शासन में विभिन्न पदों पर कार्य करने और जन सेवा करने का अवसर मिला।

अरविंद केजरीवाल 2 जून को करेंगे सरेंडर

● भावुक अपील में बोले– मेरे बुजुर्ग माता–पिता का ध्यान रखना

नईदिल्ली,। शराब नीति मामले में कोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 2 जून को सरेंडर करेंगे।आज उन्होंने भावुक संदेश जारी कर दिल्ली की जनता से कई अपील की। उन्होंने कहा कि वे चाहे जेल के अंदर रहे या बाहर, लेकिन दिल्ली की जनता का काम नहीं रुकने देंगे।बता दें कि केजरीवाल की अंतरिम जमानत की अवधि 2 जून को खत्म हो रही है।

केजरीवाल ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने मुझे चुनाव प्रचार करने के लिए 21 दिन की मोहलत दी थी। कल 21 दिन पूरे हो रहे हैं। परसों मुझे सरेंडर करना है, परसों मैं वापस तिहाड़ जेल चला जाऊंगा। मुझे नहीं पता ये लोग इस बार मुझे कब तक जेल में रखेंगे, लेकिन मेरे हौसले बुलंद हैं। देश को तानाशाही से बचाने के लिए जेल जा रहा हूं, इसका मुझे फख्र है।केजरीवाल ने कहा, इन्होंने मुझे कई तरह से तोडऩे की, झुकाने की और चुप करने की कोशिश की, लेकिन ये सफल नहीं हुए। जब मैं जेल में था तो इन्होंने मुझे कई तरह से प्रताड़ित किया। इन्होंने मेरी दवाइयां रोक दीं।

मैं 20 साल से शुगर का मरीज हूं। पिछले 10 सालों से मुझे रोज इंसुलिन के इंजेक्शन लगते हैं। इन्होंने कई दिन तक इंसुलिन के इंजेक्शन बंद कर दिए। मेरा शुगर लेवल 300 तक पहुंच गया।केजरीवाल ने कहा, हो सकता है कि इस बार वह मुझे और अधिक प्रताड़ित करेंगे, लेकिन मैं झुकुंगा नहीं। आप आपना खयाल रखना। आप खुश रहेंगे तो आपका केजरीवाल भी खुश रहेगा। मैं आपके बीच नहीं रहूंगा, लेकिन आपके सारे काम चलते रहेंगे। मैं चाहे जहां रहूं, दिल्ली के काम नहीं रुकने दूंगा। मोहल्ला क्लीनिक, मुफ्त दवाईयां, मुफ्त बिजली, मुफ्त बस यात्रा सहित सारे काम चलते रहेंगे। लौट कर हर मां–बहन को हर महीने 1,000 रुपये देने की शुरूआत करूंगा।केजरीवाल ने कहा, मैंने हमेशा आपके परिवार का बेटा बनकर अपना फर्ज निभाया है। आज मैं अपने परिवार के लिए आपसे कुछ मांगना चाहता हूं। मेरे माता–पिता बहुत बुजुर्ग हैं, मेरी मां बहुत बीमार रहती हैं, मुझे जेल में उनकी बहुत चिंता रहती है। उन्होंने कहा, मेरे पीछे मेरे माता–पिता का ध्यान रखना, उनके लिए दुआ करना, भगवान से प्रार्थना करना, दुआ में बड़ी ताकत होती है। चाहा तो आपका ये बेटा बहुत जल्द वापस आएगा।केजरीवाल शराब नीति मामले में जेल में बंद थे। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में जमानत के लिए याचिका दायर की थी। इस पर कोर्ट ने उन्हें चुनाव प्रचार के लिए नियमित की जगह 21 दिनों के लिए अंतरिम जमानत दी थी। कोर्ट ने केजरीवाल को 2 जून को सरेंडर करने को कहा था।हालांकि, केजरीवाल ने जमानत अवधि बढ़ाए जाने को लेकर अपील दायर की थी, जिसे खारिज कर दिया गया था।

गर्मी से तप रहे उत्तराखंड के मैदानी इलाके, देहरादून में पारा 43.2 डिग्री पार

देहरादून। उत्तराखंड के मैदानी इलाके गर्मी से तप रहे हैं। देहरादून, काशीपुर, रुद्रपुर, हरिद्वार आदि मैदानी शहरों में पारा 43 के पार पहुंच गया है। देहरादून में गर्मी ने अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यहां मई महीने में पहली बार शुक्रवार को दिन का अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। अभी तक ऑल टाइम रिकॉर्ड 30 मई 2012 का दर्ज है, तब देहरादून का तापमान पिछले साले रिकॉर्ड तोड़ते हुए 43.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इस बार 26 मई के बाद से देहरादून का अधिकतम तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक चल रहा था। अभी देहरादून समेत उत्तराखंड के मैदानी इलाकों में फिलहाल गर्मी से किसी तरह की राहत दिखती नजर नहीं आ रही है। मौसम विभाग के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि यहां दिन के वक्त हीट वेव यानी गर्म हवाएं चलेंगी। अगले पांच दिन भी तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक ही रहने की संभावना है। इसके लिए देहरादून, हरिद्वार उधमसिंहनगर समेत राज्य के मैदानी हिस्सों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड के पर्वतीय शहरों में भी अभी दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। हालांकि कुछ इलाकों में हल्की बारिश थोड़ा राहत महसूस की जा सकती है। गर्मी में बिजली की मार: एक तो गर्मी बेशुमार ऊपर से शहर में अघोषित बिजली कटौती ने लोगों को परेशान कर दिया। कई शहरों तापमान 43 के पर दर्ज किया गया।

गंगोत्री हाईवे पर चट्टान गिरने से 1 की मौत, 8 घायल, मलबे में दबीं कई गाड़ियां

उत्तरकाशी : उत्तराखंड चारधाम यात्रा में दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। गंगोत्री हाईवे पर चट्टान के गिरने से एक यात्री की मौत हो गई है। हादसे में पांच अन्य यात्री भी घायल हैं। हादसे के बाद यात्रा को रोका गया है। घटना के बाद राहत व बचाव का कार्य जारी है। मलबे में कई गाडियां भी दबीं हैं।

शुक्रवार दोपहर को गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर डबरानी के पास पहाड़ी से पत्थर गिरने की सूचना मिली थी। हादसे में कई गाड़ियों समेत कुछ लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका भी जताई गई थी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ की टीमें मौके पर राहत व बचाव कार्य के लिए रवाना हो गईं। पुलिस-प्रशासन की टीम ने तुरंत ही मौके पर रेस्कयू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। प्रशासन की ओर से हाईवे पर गाड़ियों को रोका गया है। बताया कि हाईवे पूरी तरह से सुरक्षित होने पर ही यात्रियों को रवाना किया जाएगा। हादसे के बाद हाईवे पर गाड़ियों की लंबी-लंबी लाइनें लग गई हैं। बताया जा रहा है कि दोपहर करीब 12:59 बजे डबरानी के पास पहाड़ी में आग लगने से चट्टान गिरने की घटना घटी। हाईवे पर चट्टान गिरने के कारण कुछ लोग मलबे में दब गए हैं। सूचना पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों का रेस्क्यू किया। अभी तक 1 मृतक, 8 घायलों का रेस्क्यू किया जा चुका है। सभी लोग देहरादून के बताए जा रहे हैं। घटनास्थल से 6 घायलों को 108 एम्बुलेंस सेवा के जरिए इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हर्षिल ले जाया गया जबकि अन्य 2 घायलों को जिला चिकित्सालय उत्तरकाशी पहुंचाया गया।

राहत व बचाव टीमें मौके पर पहुंची

हादसे में एक निजी बोलेरो वाहन, एक बाइक, एक मारुति 800 वाहन, एक बीआरो ट्रक, एक जेसीबी मशीन और एक पानी का टैंकर क्षतिग्रस्त हुआ है। घटना की सूचना पर जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने राहत एवं बचाव टीमों को तत्काल मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। जिला मुख्यालय से पुलिस, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, राजस्व विभाग व आपदा प्रबंधन की क्लिक रिस्पांस टीमों ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू किया।

जुलाई माह में महंगा आएगा बिजली का बिल

देहरादून। उपभोक्ताओं पर महंगी बिजली की मार पड़ेगी। जुलाई माह में बिजली का बिल महंगा आएगा। एफपीपीसीए नियमों के तहत अनुमति दे दी गई है। प्रदेश में जुलाई माह में बिजली का बिल महंगा आएगा। फ्यूल एंड पावर परचेज कॉस्ट एडजस्टमेंट (एफपीपीसीए) के तहत उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग ने उपभोक्ताओं से 14 करोड़ 21 लाख रुपये वसूली की अनुमति दे दी है। दरअसल, केंद्र के नियमों के तहत अब यूपीसीएल निर्धारित मूल्य के सापेक्ष जिस दर पर बिजली खरीदता है, उसकी वसूली उपभोक्ताओं से की जाती है। यूपीसीएल ने नियामक आयोग में एक याचिका दायर की थी, जिसमें बताया था कि दिसंबर, जनवरी और फरवरी की तिमाही में यूपीसीएल ने जो बिजली खरीदी है, उसका 14 करोड़ 21 लाख रुपये बकाया है। यूपीसीएल ने आयोग से इस रकम की वसूली की मांग की थी। आयोग अध्यक्ष एमएल प्रसाद ने एफपीपीसीए नियमों के तहत इस रकम को जुलाई माह के बिल में वसूली करने की अनुमति दे दी है। साथ ही ये भी निर्देश दिए कि इसका रिकॉर्ड अलग से मेंटेन रखा जाए।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिशों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिशों पर सवाल उठाने वाले एक व्यक्ति पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। दरअसल इस शख्स ने उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए की जाने वाली सिफारिशों के पीछे विस्तृत कारण बताने के लिए कॉलेजियम को निर्देश देने की मांग की थी। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि हाईकोर्ट कॉलेजियम की व्यक्तिपरक संतुष्टि के आधार पर अपील नहीं कर सकता।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, याचिकाकर्ता राकेश कुमार गुप्ता ने कॉलेजियम की चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता की कमी को चुनौती दी थी। उन्होंने दावा किया कि पारदर्शिता की कमी और सिफारिशों की उच्च अस्वीकृति दर ने सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालयों के बीच महत्वपूर्ण संचार विफलता का संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि सिफारिशों की उच्च अस्वीकृति दर 2021 में 4.38% से बढ़कर 2023 में लगभग 35.29% हो गई।

सीएस ने अफसरों को दी प्रो-एक्टिव होकर कार्य करने की नसीहत

प्रदेश में पढ़ाई छोड़ चुकी बालिकाओं के नामों की सूची तैयार करने के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने जनहित में सभी निर्माण एवं कार्य स्थलों पर अनिवार्य रूप से इस सूचना के प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए हैं कि उत्तराखण्ड में अन्य राज्यों से आए श्रमिकों को भी उनके राशन कार्ड के माध्यम से राशन दिया जा रहा है। इस मामले में उत्तराखण्ड राज्य का देशभर में 6वां स्थान है, यह एक बेहतरीन रिकॉर्ड है। उन्होंने अधिकारियों को औपचारिकताओं से हटकर प्रो-एक्टिव होकर कार्य करने की नसीहत दी।शुक्रवार को महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग की राज्य स्तरीय

मूल्यांकन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक में सीएस श्रीमती राधा रतूड़ी ने निदेशालय स्तर पर इंटिग्रेटेड डाटा बेस हेतु स्टेट रिसोर्स सेंटर के गठन की स्वीकृति दी। यह स्टेट रिसोर्स सेंटर रियल टाइम डाटा उन्होंने सम्बन्धित सचिव को सभी जिलाधिकारियों को जनपदों में आवासीय कॉलोनियों में बाल श्रम पर पूर्णतः प्रतिबन्ध हेतु सर्वकुलर जारी करने हेतु तत्काल निर्देश जारी करने के निर्देश भी दिए। मुख्य सचिव ने शिक्षा विभाग को बाल विवाह से मुक्त करवाई गई बालिकाओं हेतु आवासीय विद्यालयों एवं हॉस्टल में शिक्षा की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

पिथौरागढ़ एवं हरिद्वार जिलों में बाल विवाह व चंपावत में मानव तस्करी के अधिक मामलों को गंभीरता से लेते हुए सीएस श्रीमती रतूड़ी ने विभाग को प्रत्येक जिले हेतु अलग-अलग एक्शन प्लान बनाने के निर्देश जारी किए हैं।

उन्होंने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतों के सम्बन्ध में अनिवार्यतः आन्तरिक परिवाद समिति समितियों के गठन को लेकर सभी विभागों, सरकारी संगठनों, प्राधिकरणों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, संस्थानों, निकायों, समस्त की स्थिति स्पष्ट करने वाली रिपोर्ट भी तलब की।

संपादकीय

जानलेवा मौसम में चुनाव

देश में होने वाले लोकसभा चुनाव का अंतिम चरण अब पूरा होने को है। 2 जून को अंतिम चरण का चुनाव होना है इसके बाद 4 जून को नई सरकार की सूरत साफ होगी। इधर इस बार का यह लोकसभा चुनाव मतदान कर्मियों के लिए एक बड़ी मुसीबत भी लेकर आया है। उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में भीषण गर्मी का प्रकोप है और कर्मचारियों के लिए एक–एक पल बिताना भी मुश्किल हो रहा है। उत्तर प्रदेश से दिल दहलाने वाली तस्वीर सामने आई है जिसमें मतदान ड्यूटी में लगे पोलिंग पार्टी के सात कर्मचारियों की मृत्यु हो गई तो 30 से अधिक कर्मचारियों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा है। यूपी के मिर्जापुर में हुए इस घटना पर लोकसभा चुनाव के एक दिन पहले इतनी बड़ी खबर को लेकर विपक्षी पार्टियों ने चुनाव आयोग को भी आड़े हाथों लिया है और इसे लेकर अब राजनीति भी तूफान पर है। सवाल उठ रहे हैं कि चुनाव आयोग द्वारा ऐसे समय में क्यों तिथियां तय की गई जब उत्तर प्रदेश सहित देश के दूसरे राज्यों में पारा 40 से 50 तक पहुंच जाता है। वाकई स्थिति बेहद खराब हो चुकी है पिछले 6 चरण के चुनाव में हुए कम मतदान का कारण भी भीषण गर्मी बताई जा रहा है। निश्चित तौर पर चुनाव आयोग को वर्तमान परिस्थितियों से कुछ सीखने की जरूरत है क्योंकि यदि ऐसे हालातो में चुनाव करवाए जाएंगे तो यह न केवल मतदाताओं के लिए बल्कि चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों के लिए भी जीवन मरण का सवाल हो सकता है। राजनीतिक दलों के लिए भी भीषण गर्मी के बीच चुनाव प्रचार करना काफी कष्टदाई साबित हुआ है। जिन राज्यों में पहले चरण के दौरान 19 अप्रैल को चुनाव किए गए वहां कुछ राहत जरूर रही लेकिन अगले 6 चरण मतदाताओं और चुनाव कर्मियों के लिए बेहद मुसीबत भर और कष्टकारी साबित हुए हैं। कहीं ना कहीं इस पूरे चुनाव आयोजन के दौरान चुनाव आयोग की अदूरदर्शिता भी सामने आई है जिसने मौसम और गर्मी की विभीषिका का आकलन ही नहीं किया और तुरंत फुरत में बिना होमवर्क किए ही भीषण गर्मी के बीच चुनावों की घोषणा कर दी। सवाल यह उठता है कि इन कर्मचारियों की मौत के लिए किसे जिम्मेदार माना जाए? यही चुनाव यदि जनवरी से मार्च के मध्य कर लिए जाते तो न केवल एक अच्छे माहौल के बीच चुनाव प्रक्रिया संपन्न होती बल्कि इतने अधिक लोगों की जान भी न जानी। विपक्षी राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग के काम करने के तरीके पर भी सवाल उठाया है। बहरहाल अब तो अंतिम चरण का ही मतदान बाकी रह गया है लेकिन भविष्य के लिए यह सुनिश्चित करना होगा कि चुनाव ऐसे समय में कराया जाए जब मौसम मतदाताओं को लंबी–लंबी कतारों में खड़ा करने लायक हो या फिर सुरक्षाकर्मियों एवं मतदान कर्मियों के लिए अनुकूल साबित हो। वातानुकुलित कमरों में बैठकर नीतियां बनाने वालों को अपने काम करने के तरीकों पर गहराई से मंथन करने की जरूरत है।

भारत में आय की असमानता

रिपोर्ट के अनुसार देश के 67 करोड़ भारतीयों (जो कि देश की आबादी का लगभग आधा हिस्सा हैं) की सम्पत्ति में मात्र 01 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी प्रकार राष्ट्रीय आय का अनुपातहीन रूप से बड़ा भाग उच्च वर्ग के पास है, जबकि समाज के 50 प्रतिशत हिस्से के पास सामूहिक रूप से बहुत कम हिस्सा है। यह स्पष्ट विरोधाभास आय की विषमता को दर्शाता है। इसके अलावा विश्व बैंक की रिपोर्ट से भी पता चलता है कि भारत का गिनी गुणांक 0.34 है, जो कि तुलनात्मक रूप से उच्च आय असमानता को दर्शाता है। यह गुणांक आय असमानता मापने का प्रमुख सूचकांक है। यह पिछले कुछ वर्षों में लगातार उच्च बना हुआ है। यह दर्शाता है कि धन वितरण अत्यधिक विषम बना हुआ है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी का एक बड़ा हिस्सा रहता है। लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और रोजगार के अवसरों की कमी जैसे कारकों के कारण शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आय की असमानता अधिक रहती है। भारत में बढ़ती आय असमानता के कई कारण है। इसमें पहला है शहर और गांवों में रोजगार के अवसरों की असमानता। आमतौर पर शहरी क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में रोजगार के अवसर अधिक है।

—राम शर्मा

विश्व के आर्थिक जगत में इन दिनों आय असमानता व्यापक बहस का विषय है। न केवल विकासशील देशों में अपितु विकसित देशों में भी अमीरी और गरीबी के बीच की खाई बढ़ती जा रही है। चीन और भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देशों में आर्थिक असमानता चिंताजनक स्तर पर है। पिछले कुछ दशकों में महत्वपूर्ण आर्थिक विकास के बावजूद आबादी का एक बड़ा हिस्सा अभी भी अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा है। भारत में आय असमानता की भयावहता को समझने के लिए कुछ आर्थिक आंकड़ों पर नजर डालने की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय एनजीओ ऑक्सफेम की विश्व असमानता रिपोर्ट के अनुसार भारत की शीर्ष 1ः आबादी के पास देश की कुल सम्पत्ति का 73 प्रतिशत भाग है। इसी रिपोर्ट के अनुसार देश के 67 करोड़ भारतीयों (जो कि देश की आबादी का लगभग आधा हिस्सा हैं) की सम्पत्ति में मात्र 01 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी प्रकार राष्ट्रीय आय का अनुपातहीन रूप से बड़ा भाग उच्च वर्ग के पास है, जबकि समाज के 50 प्रतिशत हिस्से के पास सामूहिक रूप से बहुत कम हिस्सा है। यह स्पष्ट विरोधाभास आय की विषमता को दर्शाता है। इसके अलावा विश्व बैंक की रिपोर्ट से भी पता चलता है कि भारत का गिनी गुणांक 0.34 है, जो कि तुलनात्मक रूप से उच्च आय असमानता को दर्शाता है। यह गुणांक आय असमानता मापने का प्रमुख सूचकांक है। यह पिछले कुछ वर्षों में लगातार उच्च बना हुआ है। यह दर्शाता है कि धन वितरण अत्यधिक विषम बना हुआ है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी का एक बड़ा हिस्सा रहता है। लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और रोजगार के अवसरों की कमी जैसे कारकों के कारण शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आय की असमानता अधिक रहती है। भारत में बढ़ती आय असमानता के कई कारण है। इसमें पहला है शहर और गांवों में रोजगार के अवसरों की असमानता। आमतौर पर शहरी क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में रोजगार के अवसर अधिक है। काम के बदले मिलने वाले पारिश्रमिक में भी अंतर होता है। कृषि से होने वाली आय भी अल्प होती है। ऐसे में ग्रामीण और शहरी आबादी में आय की असमानता हो जाती है।

आय असमानता का दूसरा प्रमुख कारण शैक्षिक असमानताओं को माना जाता सकता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच कमाई की क्षमता निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि सामाजिक– आर्थिक पृष्ठभूमि पर आधारित शैक्षिक अवसरों में असमानताएं आय असमानता को और बढ़ा देती हैं। संपन्न परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलती है, जिससे वे उच्च वेतन वाली नौकरियों की राह पर आगे बढ़ते हैं, जबकि वंचित पृष्ठभूमि के बच्चे अक्सर पीछे रह जाते हैं। तीसरा प्रमुख कारण लैगिंक असमानता है। भारत में लैंगिक असमानता एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनी हुई है, महिलाएं लगातार समान काम के लिए पुरुषों की तुलना में कम कमाती हैं। सामाजिक मानदंड, अवसरों की कमी और शिक्षा व कौशल विकास कार्यक्रमों तक सीमित पहुंच इस असमानता में योगदान करती है, जिससे महिलाओं के लिए आर्थिक नुकसान का चक्र कायम रहता है। चौथा प्रमुख कारण औपचारिक क्षेत्र का प्रभुत्व है। भारत के कार्यबल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत है, जिसमें नौकरी की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और उचित वेतन का अभाव है। अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिक अक्सर शोषण के प्रति संवेदनशील होते हैं और उनके पास ऊपर की ओर गतिशीलता के सीमित अवसर होते हैं, जो आय असमानता में योगदान करते हैं। आय की इस असमानता से सामाजिक अशांति उत्पन्न होती है। समाज में असंतोष पैदा हो सकता है, जिससे सरकार और आर्थिक अभिजात वर्ग के प्रति नाराजगी और अविश्वास को बढ़ावा मिल सकता है। इसी प्रकार आर्थिक विषमता से स्वास्थ्य संबंधी असमानताएं हो जाती है। साथ ही साथ यह असमानता सामाजिक गतिशीलता को बाधित करती है, जिससे वंचित पृष्ठभूमि के व्यक्तियों के लिए अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार करना मुश्किल हो जाता है। अंततः अमीरी और गरीबी के बीच खाई बढ़ती ही जाती है।आय असमानता से निपटने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में ठोस प्रयासों की आवश्यकता है। इसके लिए शिक्षा में निवेश की सबसे ज्यादा जरूरत है। शिक्षा को प्राथमिकता देना और सभी बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा मिलना जरूरी है। इसी प्रकार लैंगिक समानता को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। शिक्षा हो, रोजगार हो या फिर वेतन का मामला पुरुषों और महिलाओं के बीच किसी प्रकार का भेद नहीं किया जाना चाहिए। सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को बढ़ावा देना भी आय असमानता को दूर करता है। कमजोर आबादी को स्वास्थ्य देखभाल, आवास और खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को मजबूत करना महत्वपूर्ण है। इन कार्यक्रमों को सबसे अधिक जरूरतमंद लोगों तक पहुंचने और आर्थिक कठिनाइयों का सामना करने वाले लोगों के लिए सुरक्षा जाल प्रदान करने के लिए डिजाइन किया जाना चाहिए। अनौपचारिक क्षेत्र के औपचारिकीकरण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सहायक नीतियों और प्रोत्साहनों के माध्यम से अनौपचारिक क्षेत्र के औपचारिकीकरण को बढ़ावा देने से काम करने की स्थिति में सुधार हो सकता है, उचित वेतन सुनिश्चित हो सकता है और श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जा सकती है।आय की विषमता दूर करने के लिए प्रगतिशील कराधान महत्वपूर्ण उपाय है। अमीरों पर आनुपातिक रूप से अधिक कर लगाने वाली प्रगतिशील कराधान नीतियों को लागू करने से धन के पुनर्वितरण और आय असमानता को कम करने में मदद मिल सकती है। प्रगतिशील करों से उत्पन्न राजस्व को इसमें पुनः निवेश किया जा सकता है सामाजिक कल्याण कार्यक्रम और बुनियादी ढांचे का विकास।आय असमानता भारत के सामाजिक.आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पैदा करती है और समावेशी विकास हासिल करने के प्रयासों को कमजोर करती है। इस मुद्दे के समाधान के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो शिक्षा तक असमान पहुंचए लिंग भेदभाव और अनौपचारिक क्षेत्र के प्रभुत्व जैसे मूल कारणों से निपट सके। न्यायसंगत नीतियों और निवेश को प्राथमिकता देकर भारत एक अधिक समावेशी और समृद्ध समाज को बढ़ावा दे सकता है जहां प्रत्येक व्यक्ति को आगे बढ़ने का अवसर मिले।

पशु जीवन के साथ गरिमा के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए

—डॉ. सत्यवान सौरभ

पशु क्रूरता में जानवरों के साथ दुर्व्यवहार के जानबूझकर, दुर्भावनापूर्ण कार्य और कम स्पष्ट स्थितियां शामिल हैं, जहां किसी जानवर की जरूरतों की उपेक्षा की जाती है। जानवरों के खिलाफ हिंसा को आपराधिक हिंसा और घरेलू दुर्व्यवहार की उच्च संभावना से जोड़ा गया है। अनुच्छेद 21 में अधिकार केवल मनुष्यों को प्रदान किया गया हैः लेकिन जीवन शब्द के विस्तारित अर्थ में अब बुनियादी पर्यावरण में गड़बड़ी के खिलाफ अधिकार शामिल है, इसका अर्थ यह होना चाहिए कि पशु जीवन के साथ भी आंतरिक मूल्य, सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि संविधान केवल मनुष्यों के अधिकारों की रक्षा करता है, लेकिन जीवन शब्द का अर्थ आज केवल अस्तित्व से कहीं अधिक समझा जाता है, इसका मतलब एक ऐसा अस्तित्व है जो हमें अन्य बातों के अलावा एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में रहने की अनुमति देता है।

दंड संहिता में संशोधन करके जानवरों को अनावश्यक दर्द या कष्ट देने और जानवरों को मारने या गंभीर रूप से दुर्व्यवहार करने के लिए सजा बढ़ा दी गई। इसमें क्रूरता के विभिन्न रूपों, अपवादों और किसी पीड़ित जानवर के खिलाफ कोई क्रूरता होने पर उसे मार डालने की चर्चा की गई है, ताकि उसे आगे की पीड़ा से राहत मिल सके। अधिनियम का विधायी इरादा जानवरों को अनावश्यक दर्द या पीड़ा पहुंचाने से रोकना है। भारतीय पशु कल्याण बोर्ड की स्थापना 1962 में अधिनियम की धारा 4 के तहत की गई थी। यह अधिनियम जानवरों पर अनावश्यक क्रूरता और पीड़ा पहुंचाने के लिए सजा का प्रावधान करता है।

यह अधिनियम जानवरों और जानवरों के विभिन्न रूपों को परिभाषित करता है। पहले अपराध के मामले में, जुर्माना जो दस रुपये से कम नहीं होगा, लेकिन जो पचास रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। पिछले अपराध के तीन साल के भीतर किए गए दूसरे या बाद के अपराध के मामले में जुर्माना पच्चीस रुपये से कम नहीं होगा। जिसे एक सौ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है या तीन महीने तक की कैद या दोनों से दंडित किया जा सकता है। यह वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए जानवरों पर प्रयोग से संबंधित दिशा– निर्देश प्रदान करता है। यह अधिनियम प्रदर्शन करने वाले जानवरों की प्रदर्शनी और प्रदर्शन करने वाले जानवरों के खिलाफ किए गए अपराधों से संबंधित प्रावधानों को स्थापित करता है।

प्रतिशोध (किए गए अपराध का बदला लेने के लिए दी गई सजा) निवारण (अपराधी और आम जनता को भविष्य में ऐसे अपराध करने से रोकने के लिए दी गई सजा), सुधार या पुनर्वास (अपराधी के भविष्य के व्यवहार को सुधारने और आकार देने के लिए दी गई सजा) कानून का खराब कार्यान्वयन और इसके द्वारा निर्धारित कम दंड से पीसी अधिनियम अत्यंत अप्रभावी प्रतीत होता है। अधिनियम के तहत अधिकांश अपराध जमानती हैं (आरोपी अधिकार के तौर पर पुलिस से जमानत मांग सकता है) गैर–संज्ञेय जिसका अर्थ है कि पुलिस स्पष्ट अनुमति के बिना न तो प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर सकती है और न ही जांच कर सकती है या गिरफ्तारी कर सकती है। पीसीए अधिनियम के तहत जुर्माने के रूप में निर्धारित राशि वही है जो इसके पूर्ववर्ती, पीसीए अधिनियम 1890 में निर्धारित है। जुर्माना महत्वहीन है (कई मामलों में 10 से कम) क्योंकि 130 से अधिक वर्षों में उनमें संशोधन नहीं हुआ है। कानून को इस तरह से लिखा गया है कि मामले से निपटने वाली अदालत को आरोपी पर कारावास या जुर्माना लगाने के बीच चयन करने का विवेक है। यह पशु क्रूरता के अपराधियों को अधिकांश मामलों में केवल जुर्माना अदा करके पशु क्रूरता के सबसे क्रूर रूपों से बच निकलने की अनुमति देता है। कानून में स्वयं सामुदायिक सेवा के लिए कोई प्रावधान नहीं है जैसे कि सजा के रूप में पशु आश्रय में स्वयंसेवा करना, जो संभावित रूप से अपराधियों को सुधार सकता है। जानवरों के लिए पांच मौलिक स्वतंत्रताओं का समावेश, दंडों में वृद्धि और विभिन्न अपराधों के लिए जुर्माने के रूप में भुगतान की जाने वाली धनराशि, नए संज्ञेय अपराधों को जोड़ना, मसौदा विधेयक में पशु क्रूरता के मामले से निपटने वाली अदालत के लिए दो विकल्पों के रूप में कारावास और जुर्माने का प्रावधान जारी रखा गया है। पशुओं को मौलिक अधिकार स्पष्ट रूप से प्रदान किए गए हैं। अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) व्यक्तियों को दिए गए हैं।

व्यक्तिः का अर्थ है मनुष्य या मनुष्यों के संघ, जैसे निगम, साझेदारी, ट्रस्ट आदि अनुच्छेद 48 गायों, बछड़ों और अन्य दुधारू और माल ढोने वाले मवेशियों के वध पर रोक लगाना और उनकी नस्ल में सुधार करना, अनुच्छेद 48, पर्यावरण की रक्षा और सुधार तथा वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा करना, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम (पीसीए अधिनियम), 1960 जानवरों के प्रति क्रूरता का कारण बनने वाले कई प्रकार के कार्यों को अपराध मानता है।

विधि—सम्मत कार्रवाई होगी

झूठेऔर भ्रामक विज्ञापनों के जरिए आम आदमी को पलोभन देकर पैसा बनाने वाली कंपनियों को स्वप्रमाण–पत्र जारी करना होगा। यह दावा गलत हुआ तो हर्जाना चुकाना होगा। उनके खिलाफ विधि–सम्मत कार्रवाई भी होगी। रामदेव की कंपनी पतंजली के भ्रामक विज्ञापन मामले के आलोक में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अमल करने के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यह कदम उठाया है। मंत्रालय द्वारा ऐसी प्रणाली और पोर्टल तैयार किया जा रहा है, जिसमें विज्ञापनदाता स्व–प्रमाणपत्र अपलोड करेगा।

केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने इस बाबत दिशा–निर्देश जारी कर दिए हैं जिनके तहत कंपनियों को अपने उत्पादों और वस्तुओं की बिक्री बढ़ाने की गरज से भ्रामक विज्ञापनों से बचने की सलाह दी गई है। भ्रामक विज्ञापनों को करने वाली चर्चित हस्तियों को भी इस झूठ में शामिल माना जाएगा। यह व्यवस्था अगले महीने से लागू हो जाएगी। दावा गलत सिद्ध होने पर मुकदमा दायर होगा तथा मुआवजा भी देना होगा। हैरत नहीं होनी चाहिए कि अदालत के कड़े रुख के बाद संबंधित मंत्रालय और व्यवस्था चेत रही है। वरना तो अपने यहां गोरापन बढ़ाने वाली क्रीम तकरीबन 54 सालों से भ्रामक विज्ञापनों के सहारे ही बिकती रही हैं, जिनका सालाना रेवेन्यू 2400 करोड़ रुपये से ज्यादा का बताया जा रहा है।

ऐसे ही बच्चों की लंबाई बढ़ाने या हड्डियां मजबूत करने का दावा करने वाले तमाम प्रोडक्ट्स से बाजार अटे पड़े हैं। स्वास्थ्यवर्धक पेयों के मामले में भी कुछ ऐसा ही मंजर है, जिनका बाजार 7500 करोड़ रुपये से ज्यादा का बताया जा रहा है। ताजगी बढ़ाने और भीषण गरमी से राहत देने वाले सॉफ्ट ड्रिंक्स का बाजार 5700 करोड़ रुपये का है, जिनमें शक्कर की मात्रा घातक स्तर तक होने की चेतावनी जब–तब चिकित्सक देते रहते हैं।

देश में हर ग्यारहवां शख्स डायबिटीज की चपेट में है। मगर इन सब चीजों का प्रचार जोर–शोर से साल–दर–साल बढ़ता ही जा रहा है। मुनाफा कमाने वाली कंपनियों के खिलाफ कहीं कोई आवाज उठी भी तो तूती की तरह दब जाती है। इसके लिए स्पष्ट तौर पर सरकार और उसके मंत्रालय जिम्मेदार हैं जिन्हें जनता को भ्रामक प्रचार से बचाने के सख्त कदम उठाने थे। इस बात का फायदा उठाते हुए भ्रामक प्रचार और विज्ञापन के बल पर चांदी कूटने वाली कंपनियां बेखटके रहीं। अब हालांकि बहुत देर हो चुकी है। स्व–प्रमाणपत्र जैसी गाल बजाने वाली व्यवस्था देकर पीठ थपथपाने की बजाय गुणवत्ता मानक सख्ती से तय किए जाएं।

फिल्म इंडियन 2 का गाना धागे हुआ रिलीज, एक—दूजे संग इश्क फरमाते दिखे रकुल और सिद्धार्थ

कमल हासन की फिल्म इंडियन 2 इस साल की चर्चित फिल्मों में से एक है। यह फिल्म 1996 में आई इंडियन का सीक्वल है।इस फिल्म का हिंदी संस्करण हिंदुस्तानी 2 से रिलीज किया जाएगा। फिल्म का पहला भाग हिंदुस्तानी नाम से रिलीज हुआ था।रकुल प्रीत सिंह और सिद्धार्थ भी फिल्म का हिस्सा हैं।अब निर्माताओ ने हिंदुस्तानी 2 का गाना धागे जारी कर दिया है, जिसमे रकुल और सिद्धार्थ एक–दूजे के साथ इश्क फरमाते नजर आ रहे हैं।

धागे गाने के मनोज मुंतशिर शुक्ला ने लिखे है। एबी वी और श्रुतिका समुद्रला ने इस गाने को अपनी आवाज दी है।हिंदुस्तानी 2 12 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। काजल अग्रवाल भी इस फिल्म मे नजर आएंगी।बॉक्स ऑफिस पर इंडियन 2 का सामना अक्षय कुमार और राधिका मदान की फिल्म सरफिरा से होगा।इनके अलावा जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की फिल्म वेदा भी 12 जुलाई को सिनेमाघरों का रुख करेगी।रिपोर्ट्स के अनुसार, सिद्धार्थ इंडियन 2 में एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं, जो भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहा है। इंडियन 2 का एल्बम 1 जून को चेन्नई के नेहरू इंडोर स्टेडियम में भव्य तरीके से लॉन्च किया जाएगा। कहा जा रहा है कि इस कार्यक्रम के लिए चिरंजीवी, राम चरण, रणवीर सिंह और मोहनलाल को आमंत्रित किया गया है। ऑडियो लॉन्च के बारे में आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है।

निर्देशक शंकर की इंडियन 2 साल 1996 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म इंडियन का सीक्वल है। वहीं बात करें फिल्म के कलाकार के बारे में तो इसमें कमल हासन के साथ काजल अग्रवाल, रकुल प्रीत सिंह, प्रिया भवानी शंकर, सिद्धार्थ, समुथिरकानी, बॉबी सिम्हा, ब्रह्मानंदम और अन्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्माण लाइका प्रोडक्शंस और रेड जाइंट मूवीज ने मिलकर किया है। अनिरुद्ध रविचंदर ने धुनें बनाई हैं। इंडियन 2 12 जुलाई को तीन भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

अजारेंका को हराकर मीरा एंड्रीवा तीसरे दौर में

पेरिस, उभरती युवा खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने सनसनीखेज प्रदर्शन करते हुए पूर्व विश्व नंबर एक विक्टोरिया अजारेंका को गुरूवार को देर रात के मुकाबले में 6–3, 3–6, 7–5 से हराकर लगातार दूसरे वर्ष फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया 17 वर्षीय मीरा एंड्रीवा ने 19वीं सीड अजारेंका पर दो घंटे 31 मिनट में जीत हासिल की। मैच पेरिस में स्थानीय समयानुसार देर रात एक बजे (भारतीय समयानुसार तडक़े 4:30 बजे) समाप्त हुआ।

डब्लूटीए से प्राप्त जानकारी के अनुसार मीरा एंड्रीवा, जो पिछले वर्ष डब्लूटीए की न्यूकमर ऑफ द ईयर रही थीं, इस सत्र में पहले ही पांच टॉप 25 जीत दर्ज कर चुकी हैं। उन्होंने एक महीने पहले मार्केटा वोन्द्रूसोवा और जास्मिन पाओलिनी को मैड्रिड में हराया था। विश्व की 38वें नंबर की खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा अपने युवा करियर में तीसरी बार किसी ग्रैंड स्लैम के राउंड ऑफ़ 16 में प्रवेश करने की तरफ देखेंगी जब उनका मुकाबला एक और उभरती खिलाड़ी अमेरिका की पेटन स्टर्न्स से होगा। स्टर्न्स ने एक और उलटफेर भरी जीत दर्ज करते हुए 10वीं सीड डारिया कसात्किना को 7–5, 6–2 से हराकर लगातार दूसरे वर्ष फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में जगह बनायी।

टी20 विश्व कप : वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को वॉर्मअप मैच में हराया

पोर्ट ऑफ स्पेन, टी20 विश्व कप 2024 के सह–मेजबान वेस्टइंडीज ने टूर्नामेंट के वॉर्म–अप मैच में भारतीय समयानुसार शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया को 35 रन से हरा दिया।क्वींस पार्क ओवल में टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने पहले गेंदबाजी चुनी। वेस्टइंडीज ने चार विकेट के नुकसान पर 257 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसमें निकोलस पूरन ने सबसे ज्यादा 75 रन बनाए। कप्तान रोवमैन पॉवेल (52), शेरफेन रदरफोर्ड (नाबाद 47 रन) और सलामी बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स (40) ने भी शानदार प्रदर्शन किया। दो बार के चैंपियन ने शानदार पावर–हिटिंग से घरेलू दर्शकों का रोमांच डबल कर दिया। वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की खूब धुनाई की। एडम ज़म्पा ने अपने चार ओवरों में 62 रन दिए और दो विकेट लिए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया 20 ओवर में सात विकेट पर 222 रन ही बना सका। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एकमात्र अर्धशतक जोश इंग्लिस के बल्ले से निकला। इंग्लिस ने 55 रन बनाए।

स्पिनर गुडाकेश मोती (2/31) और तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ (2/44) ने मेजबान टीम के लिए सबसे सफल गेंदबाज रहे।इस साल का टी20 विश्व कप 2 जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया 6 जून को ओमान के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा, जबकि वेस्टइंडीज अपना पहला मैच पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ 2 जून को खेलेगा।विश्व कप के सह–मेजबान वेस्टइंडीज के लिए यह एक शानदार शुरुआत है। बीते कुछ साल इस धाकड़ टीम के लिए ज्यादा अच्छे नहीं रहे हैं। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया की फुल स्ट्रेंथ टीम को हराना उनके आगामी विश्व कप की मजबूत तैयारियों की गवाही दे रहा है।

विश्व कप के लिए दोनों टीमें–

वेस्टइंडीजः रोवमैन पॉवेल (कप्तान), अल्जारी जोसेफ (उपकप्तान), जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, शिमरोन हेटमायर, शमार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, निकोलस पूरन, शाई होप, आंद्रे रसेल, रोमारियो शेफर्ड, ओबेड मैकॉय, अकील होसेन, गुडाकेश मोती और शेरफेन रदरफोर्ड।

ऑस्ट्रेलियाः मिचेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोयनिस, मैथ्यू वेड (विकेटकीपर), डेविड वॉर्नर, एडम जम्पा।

मनोज बाजपेयी की फिल्म भैया जी की हालत पस्त

अपूर्व सिंह कार्की के निर्देशन में बनी फिल्म भैया जी लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई।इसमें दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी मुख्य भूमिका में हैं, जिन्होंने एक बार फिर अपनी उम्दा अदाकारी का लोहा मनवाया है।इसके बावजूद यह शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर तरस रही है। फिल्म की दैनिक कमाई लाखों में सिमटी हुई है।अब भैया जी की कमाई के पांचवें दिन के आंकड़े सामने आए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, भैया जी ने रिलीज के पांचवें दिन (मंगलवार) 80 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 6.70 करोड़ रुपये हो गया है।भैया जी के जरिए मनोज ने बतौर निर्माता अपनी शुरुआत की है। यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि 30 साल के करियर में यह मनोज की 100वीं फिल्?म है।विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, शैल ओसवाल और विक्रम खाखर जैसे सितारों ने भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

बिहार की पृष्ठभूमि पर बुनी गई भैया जी की कहानी बिहारी बाबू, राम चरण त्रिपाठी (भैया जी) के जीवन को दर्शाती है।त्रिपाठी अपने परिवार, अपने लोगों और समाज के लिए जीने वाला एक सीधा–साधा शख्स है, जिसका अपना एक अतीत होता है।यह अतीत जब त्रिपाठी के सामने लौटता है तो कहानी बदले की आग में भभकने लगती है और ऐसा मोड़ लेती है कि उसे अपने भैया जी वाले अवतार में लौटना पड़ता है।

बॉक्स ऑफिस पर राजकुमार राव की श्रीकांत की कमाई जारी

तुषार हीरानंदानी के निर्देशन में बनी फिल्म श्रीकांत में राजकुमार राव मुख्य भूमिका में हैं, जिन्होंने दृष्टिहीन उद्योगपति श्रीकांत बोला बन दर्शकों का दिल जीत लिया है। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक कमाई नहीं कर पाई।पिछले कुछ दिनों से फिल्म की कमाई में उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहा है और रिलीज के तीसरे सप्ताह इस फिल्म का कारोबार लाखों में सिमट गया है।अब श्रीकांत के 19वें दिन के कमाई के आंकड़े भी सामने आए हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, श्रीकांत ने रिलीज के 19वें दिन 90 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 38.75 करोड़ रुपये हो गया है।श्रीकांत में राजकुमार की जोड़ी पहली बार अलाया एफ के साथ बनी है। फिल्म में ज्योतिका और शरद केलकर भी अहम भूमिका में हैं। सभी के अभिनय की जमकर प्रशंसा हो रही है।बॉक्स ऑफिस पर श्रीकांत का सामना मनोज बाजपेयी की फिल्म भैया जी से हो रहा है।

बर्नडाइन बेजुइडनहॉट ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

क्राइस्टचर्च, न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर बर्नडाइन बेजुइडनहॉट ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया है, लेकिन अगले सत्र में वह घरेलू क्रिकेट में खेलना जारी रखेंगी। दक्षिण अफ्रीका में जन्मी बर्नडाइन बेजुइडनहॉट ने 2014 में दक्षिण अफ्रीका के लिए डेब्यू किया था। हालांकि, इसके बाद वह न्यूजीलैंड चली गईं और 2018 में व्हाइट फर्न्स के लिए डेब्यू किया।वह उन 9 महिला क्रिकेटरों में से एक हैं, जिन्होंने दो देशों का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए चार वनडे, सात टी20 मैच और न्यूजीलैंड के लिए 16 वनडे, 22 टी20 मैच खेले हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बर्नडाइन बेजुइडनहॉट के हवाले से कहा, यह बहुत शानदार सफर रहा है। व्हाइट फर्न्स के लिए खेलना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान रहा है। यहां मुझे मेरे जीवन की सबसे प्यारी यादें मिली। इस यात्रा ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है और मैं हमेशा उन सभी की आभारी रहूंगी, जो मेरे साथ इस राह पर रहे हैं।क्रिकेट के अलावा, बर्नडाइन बेजुइडनहॉट ने गैर–लाभकारी और सोशल वर्क में भी खूब नाम कमाया है। उन्होंने ईपीआईसी स्पोर्ट्स प्रोजेक्ट चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य उच्च–वंचित समुदायों में युवा लोगों में आशा और अपनेपन को प्रेरित करने और खेल में भागीदारी की बाधाओं को तोड़ने के लिए खेल का उपयोग करना है।बर्नडाइन बेजुइडनहॉट ने कहा कि उनके रिटायर होने के फैसले में उनके चैरिटेबल ट्रस्ट की भी एक बड़ी भूमिका रही।उन्होंने कहा, मैं इस फैसले से संतुष्ट हूं, लेकिन यह फैसला लेना आसान नहीं था। पिछले कुछ समय से मैंने अपने काम और खेल करियर के बीच संतुलन बनाने के लिए काफी संघर्ष किया और बहुत सोचने के बाद मुझे लगता है कि यह सही समय है कि मैं अपना पूरा ध्यान ईपीआईसी स्पोर्ट्स प्रोजेक्ट पर लगाऊं।

एक नजर

निगम पर लगाया लोगों को परेशान करने का आरोप

श्रीनगर गढ़वाल : समाजसेवी पृथ्वी सिंह बिष्ट ने शुक्रवार को जनसमस्याओं को लेकर कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में पृथ्वी सिंह बिष्ट ने कहा कि परिवार रजिस्टर बनवाने को लेकर नगर निगम कर्मचारी आनाकानी कर रहे हैं। कहा कि लोगों से प्रमाण पत्रों के बजाय कूड़ा उठान रसीद मांगी जा रही है। जबकि निर्धारित सभी प्रमाण पत्रों को पेश किया जा रहा है। कहा कि नगर निगम केवल लोगों को परेशान करने का काम कर रहा है। (एजेंसी)

यात्रा को लेकर शासन और प्रशासन की तैयारियां अधूरी

श्रीनगर गढ़वाल : होटल एसोसिएशन श्रीनगर ने शुक्रवार को सीमित संख्या में चार धाम यात्रा में यात्रियों के ऑनलाइन पंजीकरण किये जाने पर सरकार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने उपजिलाधिकरी श्रीनगर के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन प्रषित किया।होटल एसोसिएशन श्रीनगर के अध्यक्ष अप्पल रतूड़ी का कहना है कि एसोसिएशन शुरूआत से यात्रा में व्यवस्थाओं को दुरूस्त करने के पक्ष में था। यात्रा को शुरू हुए 20 दिन से अधिक समय हो गया है, लेकिन सरकार और प्रशासन यात्रा को सुचारू करने के बजाय और अधिक जटिल बना रहा है। परिणाम स्वरूप मई माह में यात्रा में गिरावट का आना और दूसरी ओर लगातार बुकिंगों के निरस्त होने के चलते होटल कारोबारियों के सामने भी आजीविका का संकट है। कहा कि इससे पता चलता है कि यात्रा को लेकर शासन और प्रशासन की तैयारियां अधूरी है। (एजेंसी)

एनएच से की स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल श्रीनगर ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग खंड कार्यालय श्रीनगर पहुंचकर कीर्तिनगर से धारी देवी तक स्ट्रीट लगाये जाने की मांग की। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष वासुदेव कंडारी के नेतृत्व में व्यापारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग खंड के सहायक अभियंता को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में वासुदेव कंडारी ने कहा कि सालों से कीर्तिनगर से धारी देवी तक स्ट्रीट लाइट के पोल लगे हुए हैं, लेकिन उनमें अभी तक लाइट नहीं लगी है। कहा नगर में गुलदार का भय बना हुआ है। उन्होंने जल्द से जल्द खाली पड़े पोल पर स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की। इस मौके पर राष्ट्रीय राजमार्ग खंड के सहायक अभियंता मोहम्मद तहसीन ने जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया।

पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को किया गिरफ्तार

चमोली : नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने मुकदमा दर्ज होने के 24 घंटे में ही गिरफ्तार किया है। दुष्कर्म के आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि बुधवार को थाना थराली में एक व्यक्ति ने तहरीर दी कि उनकी नाबालिग पुत्री के साथ राजेन्द्र सिंह ने जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाकर दुष्कर्म किया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर थाना थराली में आरोपी के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया। जिसकी विवेचना सब इंस्पेक्टर सुधा बिष्ट को सौंपी गई। (एजेंसी)

गोपीनाथ मंदिर को यात्रा रूट में शामिल करें

चमोली : व्यापारी और जनप्रतिनिधियों ने शुक्रवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर प्राचीन मंदिर गोपीनाथ मंदिर को यात्रा रूट में शामिल करने की मांग की है। इन लोगों का कहना है कि ऐसा करने से बाहरी राज्यों से आने वाले लोग मंदिर के दर्शन कर सकेंगे। जन प्रतिनिधि विनोद जोशी, व्यापारी नेता अनूप रावत, सुनील पुंडीर, पीयूष विश्नोई, हिमांशु, रवि झिंक्वाण, सतीश पुरोहित के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी हिमांशु खुराना से कहा चारधाम यात्री प्रसिद्ध गोपीनाथ मंदिर दर्शन से वंचित हो रहे हैं। वे गोपेश्वर नगर के प्राकृतिक सौंदर्य को भी देखना चाहते हैं। पर वर्तमान में यात्रा का परिवहन रूट नगर के बाहर ही बाहर रखा गया है। ऐसे में केदारनाथ और बदरीनाथ का यात्री और पर्यटक गोपीनाथ मंदिर दर्शन और ऐतिहासिक नगर देखने से वंचित हो रहा है।

छात्र–छात्राओं को नशे की लत के नुकसान बताए

रुड़की। कोतवाली पुलिस ने मोंटफोर्ट चिल्ड्रेन एकेडमी में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित कर छात्र–छात्राओं को नशे की लत के नुकसान समझाए। कोतवाल राजीव रौथाण ने कहा कि नशा करने वाला अपना ही नहीं, बल्कि अपने पूरे परिवार का भविष्य चौपट कर देता है।

चारधाम यात्रा पर गए वाहन, पहाड़ी रूटों पर बेपटरी हुई व्यवस्था

समय से वाहन नहीं मिलने के कारण आमजन को हो रही परेशानी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भीषण गर्मी व बच्चों की छुट्टी के बाद मैदानी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहाड़ की ओर अपना रूख कर रहे हैं। लेकिन, अधिकांश वाहनों के चार धाम यात्रा पर चले जाने से लोगों को समय से वाहन नहीं मिल पा रहे हैं। ऐसे में यात्रियों की इस मजबूरी का फायदा कई मैक्स चालक उठा रहे हैं। कई रूटों पर यात्रियों से दोगुना किराया तक वसूला जा रहा है।

जीएमओयू को पहाड़ी रीढ़ कहा जाता है। लेकिन, जीएमओयू की अधिकांश बसें वर्तमान में चल रही चार धाम यात्रा पर चली गई हैं। ऐसे में पहाड़ के कई रूटों पर समय से वाहन नहीं मिल पा रहे हैं। जिससे यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रिखणीखाल, पौड़ी, यमकेश्वर, जयहरीखाल क्षेत्र के दूरस्थ क्षेत्रों में समस्या सबसे अधिक बनी हुई है। मजबूरन यात्रियों को निजी वाहन बुक कर आवाजाही करनी पड़ रही है। रिखणीखाल निवासी सुदीप सिंह ने बताया कि वह दिल्ली से सुबह सात बजे कोटद्वार पहुंच गए थे। लेकिन, गांव जाने के लिए समय पर वाहन नहीं मिल पाया। करीब दस बजे उन्हें एक मैक्स मिली। वहीं, यात्रियों की इस मजबूरी का लाभ कई मैक्स वाहन चालक भी उठा रहे हैं। पहाड़ों में यात्रियों से सफर का डबल किराया तक वसूला जा रहा है।

कोटद्वार का जीएमओयू बस अड्डा जहां से पहाड़ के लिए वाहन मिलते हैं

घंटों करना पड़ रहा इंतजार

पर्वतीय क्षेत्रों में सफर करने के लिए लोगों को घंटों वाहनों का इंतजार करना पड़ रहा है।

ऐसे में सबसे अधिक परेशानी बच्चों व बुजुर्गों के साथ यात्रा करने वालों को हो रही है। भीषण गर्मी के बीच वाहनों की कमी ने यात्रियों की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि व्यवस्था के हिसाब से ही पहाड़ों में वाहनों का संचालन किया जा रहा है।

बोर्ड परीक्षा की अव्वल छात्रा नंदिनी गुप्ता को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लैंसडौन स्थित आर्मी पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को इस वर्ष की बोर्ड परीक्षा में 12वीं कक्षा में जिला पौड़ी गढ़वाल में प्रथम और राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा नंदिनी गुप्ता को सम्मानित किया। गढ़वाल राइफल्स के ब्रिगेडियर वीएम चौधरी एवं आर्मी फेमिली वेलफेयर एसोसिएशन लैंसडौन की अध्यक्ष तृप्ति चौधरी ने नंदिनी का सम्मान किया।

इस अवसर पर ब्रिगेडियर वीएम चौधरी ने कहा कि नंदिनी की सफलता पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण है। कहा कि दृढ़ निश्चय से हर मुकाम को हासिल किया जा सकता है।

आर्मी फेमिली वेलफेयर एसोसिएशन अध्यक्ष तृप्ति चौधरी ने कहा कि नंदिनी ने जनपद और प्रदेश में सर्वोच्च श्रेणी में स्थान बनाकर अपनी बुद्धि का लोहा मनवाया है। उन्होंने इसके लिए विद्यालय प्रबंधन को भी बधाई दी। इस अवसर पर नंदिनी के पिता मोहित गुप्ता, माता रेखा गुप्ता, कर्नल प्रणव जोशी और प्रधानाचार्य विजेंद्र सुन्द्रियाल मौजूद रहे।

नंदिनी गुप्ता को सम्मानित करते अतिथि

सिंचाई के लिए नहरों की व्यवस्था को बनाएं बेहतर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मालनी किसान पंचायत ने सिंचाई विभाग से काश्तकारों के लिए सिंचाई नहर की व्यवस्था को बेहतर बनाने की मांग की है। कहा कि आगामी वर्षाकाल में सिंचाई नहरें दोबारा प्रभावित न हो इसके लिए इसको ऊपर से कवर किया जाना चाहिए।

शुक्रवार को मालनी किसान पंचायत व सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने कण्वाश्रम से मुख्य नहर के रास्ते बैराज तक नहरों की स्थिति का जायजा लिया। मालनी किसान पंचायत के अध्यक्ष जेपी बहुखंडी व सचिव मधुसून सिंह नेगी ने बताया कि गत वर्षाकाल में हुई अतिवृष्टि से जगह-जगह नहर क्षतिग्रस्त हो गई थी। हालांकि सिंचाई विभाग ने कुछ स्थानों पर नहर की मरम्मत करवाकर सिंचाई का पानी उपलब करवाने का प्रयास किया। लेकिन, इस वर्ष भी नहर के क्षतिग्रस्त व पहाड़ से मलबा गिरने का खतरा बना हुआ है।

कहा कि यदि नहर के ऊपर कवर किया जाता है तो इसकी व्यवस्था बेहतर हो सकती है। साथ ही इसमें मलबा भी नहीं गिरेगा। लेकिन, अधिकारियों ने बजट उपलब्ध होने के बाद ही इस योजना पर विचार करने की बात कही। इस मौके पर हरि सिंह रावत, अशोक गोड, मदन सिंह रावत, चंद्रपाल नेगी आदि मौजूद रहे।

सेवानिवृत्ति पर दी विदाई

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तरांचल परिवहन संघ की ओर से इंचार्ज पेट्रोल सैक्शन महाराज सिंह बिष्ट की सेवानिवृत्ति पर उन्हें विदाई दी गई। संघ के अध्यक्ष गोपाल सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सदस्यों ने 29 वर्ष 11 माह व दस दिन की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए महाराज सिंह बिष्ट को विदाई दी। जीएमओयूलि के अध्यक्ष जीत सिंह पटवाल ने कहा कि महाराज सिंह बिष्ट के बेहतर कार्यों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। सदस्यों ने महाराज सिंह बिष्ट का माल्यार्पण करते हुए मिठाईयां भी खिलाई। इस मौके पर जनरल मैनेजर ऊषा सजवाण, विजय पाल सिंह नेगी, मंजीत सैनी, दीपक सिंह नेगी, अमरपाल सिंह नेगी, राकेश मोहन त्यागी, राम नारायण, सुरेश नैनवाल, अपर्णा ध्यानी, सावित्री नेगी, मंदीप नेगी आदि मौजूद रहे।

जीवन को बचाने के लिए तंबाकू को छोड़ना जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विश्व तंबाकू दिवस पर एकोहम फाउंडेशन की ओर से एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों को तंबाकू के दुष्परिणामों के बारे में बताया गया। विशषज्ञों ने बताया कि कैंसर का सबसे बड़ा कारण तंबाकू ही है। ऐसे में लोगों को अपना जीवन बचाने के लिए तंबाकू के सेवन को बंद करना होगा।

शुक्रवार को तंबाकू निषेध दिवस पर सिम्मलचौड़ स्थित एक रेस्टोरेंट में कार्यशाला आयोजित की गई। एकोहम फाउंडेशन की संस्थापक डा. अपाला बडूनी ने कहा कि मुंह के कैंसर का सबसे बड़ा कारण तंबाकू का सेवन है। तंबाकू खाने वाला व्यक्ति स्वयं की जान को जोखिम में डाल रहा है। तंबाकू के सेवन से कैंसर के साथ ही हृदय रोग, श्वसन विकार सहित अन्य कई बीमारियां हो सकती है।

कहा कि तंबाकू उत्पादों में कार्सिनोजेनिक पदार्थ होते हैं जो मुंह के प्री-कैंसर और कैंसर के विकास का कारण बन सकते हैं। डा. बडूनी ने युवाओं पर तंबाकू विज्ञापनों के प्रभाव को लेकर बढ़ती चिंता पर भी चर्चा की। कहा कि सख्त नियमों के बावजूद भी तंबाकू बनाने वाली कंपनियां युवाओं को भ्रमित करने वाले विज्ञापन दिखा रही हैं। कहा कि हमें अपने आसपास रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को तंबाकू से दूर रहने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इस मौके पर संस्था के प्रोजेक्ट हेड आशुतोष शर्मा, आउटरीच आफिसर अंकित भडाना, वालंटियर डॉ. निकिता, वालंटियर इरफान मौजूद थे।

कोटद्वार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देते वक्ता

विद्यार्थियों ने लिया नशे से दूर रहने का संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारत सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल में विश्व तंबाकू दिवस पर कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें शिक्षकों ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताया। इस दौरान विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहकर बेहतर भविष्य पर ध्यान देने का संकल्प लिया।

महाविद्यालय परिसर में कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्राचार्य डा. मनोज उप्रेती ने विद्यार्थियों को तंबाकू के दुष्परिणामों के बारे में बताया। कहा कि तंबाकू का सेवन मानव स्वास्थ्य के लिए सबसे घातक है। कार्यक्रम अधिकारी डा. भारती ने कहा कि तंबाकू से प्रतिवर्ष होने वाली मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। कहा कि आमजन को तंबाकू के प्रति जागरूक करने के लिए प्रति वर्ष विश्व तंबाकू दिवस भी मनाया जाता है। डा. अनूप सिंह ने कहा कि आज युवा तंबाकू के विज्ञापन को ग्लैमर से जोड़कर देखते हुए। लेकिन, हकीकत यह है कि वह सब एक दिखावा होता है। कार्यशाला में विद्यार्थियों व शिक्षकों ने तंबाकू से दूर रहकर अन्य लोगों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डा. विपिन पंवार, डा. महेश चंद्र आर्य, प्रशान्त, लक्ष्मी जोशी, डा. मनोज किशोर नौटियाल, डा. विपिन कुमार तिवारी, डा. सुनील सिंह आदि मौजूद रहे। वहीं, विश्व तंबाकू दिवस पर सतपुली महाविद्यालय में भी कार्यशाला आयोजित की गई। प्राचार्य राकेश इष्टवाल ने विद्यार्थियों को तंबाकू से दूर रहने का संदेश दिया। इस मौके पर एंटी ड्रग समिति के सदस्य डा.हरिकृष्ण सेमवार, शूरवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

आयोजित कार्यशाला में नशे से दूर रहने का संकल्प लेते विद्यार्थी

रुकमणी के विवाह का प्रसंग सुनाया

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नजीबाबाद रोड स्थित एक बारात घर में चल रही श्रीमद्भावगत कथा के छठें दिन गोपी लीला, कृष्ण भक्ति व रुकमणी विवाह का प्रसंग सुनाया गया।

भागवत कथा श्रवण करते हुए व्यास नरेंद्र प्रसाद ने कहा कि भागवत श्रवण मात्र से मनुष्य के समस्त कष्ट दूर हो जाते हैं।

कहा कि भक्तों को कृष्ण के साथ राधा का नाम अवश्य लेना चाहिए। इस मौके पर विजय कुमार माहेश्वरी, रूचिन माहेश्वरी, सचिन माहेश्वरी, शिल्पा नेगी, रेखा माहेश्वरी, सुनीता माहेश्वरी, नीलम माहेश्वरी, शिप्रा माहेश्वरी, गम्भीर सिंह नेगी, मंजु नेगी, गणेश नेगी, अर्जुन सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

विस अध्यक्ष ने दिए कांडई ग्वालाणी मोटर मार्ग के डामरीकरण के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने अधिकारियों को प्रखंड जयहरीखाल के अंतर्गत कांडई ग्वालाणी मोटर मार्ग के डामरीकरण के निर्देश दिए है। इस दौरान उन्होंने निगम व प्रशासन को कोटद्वार में पार्किंग व्यवस्था करने के भी सख्त निर्देश दिए।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने अधिकारियों को व्यवस्थाओं को सुधारने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो इसका विशेष ध्यान रखे। उन्होंने कोटद्वार पुलिस को सड़क किनारे वाहन खड़े करने वाले लोगों के वाहनों को सीज न करने के भी निर्देश दिए। कहा कि शहर में पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं है। इसके लिए सड़क किनारे वाहन खड़ा करना लोगों की मजबूरी है। पर्यटकों को किसी प्रकार की परेशान न हो इसका ध्यान रखें वहीं कुछ दिन पूर्व ग्रामीणों ने कांडई ग्वालाणी मोटर मार्ग के डामरीकरण की भी मांग उठाई थी। जिसका संज्ञान लेते हुए विस अध्यक्ष ने जल्द डामरीकरण के निर्देश दिए हैं।

निरंकारी संत समागम दो जून को

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : निरंकारी संत समागम समिति की स्थानीय इकाई की ओर से भाबर क्षेत्र के हल्दूखाता स्थित एवीएन पब्लिक स्कूल में 2 जून को निरंकारी संत समागम का आयोजन किया जायेगा। समागम में सतगुरु माता सुदीक्षा और निरंकारी राजपिता रमित प्रवचन करेंगे। यह जानकारी जोनल इंचार्ज हरभजन सिंह ने दी।

तंबाकू सेवन और नशे की ओर बढ़ रही युवा पीढ़ी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जी.बी.पंत इंजीनियरिंग कॉलेज घुड़दौड़ी में छात्र-छात्राओं को नशा नहीं करने की शपथ दिलाई गई। स्वास्थ्य विभाग के तत्वाधान में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर जी.बी.पंत इंजीनियरिंग कॉलेज घुड़दौड़ी में बच्चों को तम्बाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बचाना थीम को लेकर जनजागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया।

शुक्रवार को आयोजित गोष्ठी में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अकरम अली ने कार्यक्रय का शुभारंभ करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को नशा के प्रति दूर रहना चाहिए। कहा कि नशा और तम्बाकू निषेध पर चलाये जा रहे जागरुकता कार्यक्रमों के दौरान विद्यालयों में भ्रमण से यह बात सामने आ रही है कि आज हमारे देश में युवा वर्ग सबसे अधिक तम्बाकू सेवन और नशे की ओर बढ़ रहा है। कहा कि शिक्षण संस्थानों में बच्चे अपना भविष्य बनाने आते हैं इसलिए बच्चों को अपने व्यक्तित्व को मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि तम्बाकू उत्पादों से दूर रहने और और इसे छोड़ने की पहल प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं से करनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने वहां उपस्थित छात्र-छात्राओं व अन्य को तम्बाकू निषेध की शपथ भी दिलायी।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार ने तम्बाकू का सेवन करने से शरीर पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तम्बाकू सेवन हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, जिससे हमारे शरीर में विभिन्न प्रकार की घातक बिमारियां हो सकती हैं। कहा कि यदि कोई व्यक्ति तम्बाकू की लत से ग्रसित है और इसे छोड़ना चाहता है तो विभाग द्वारा संचालित जिला प्रकोष्ठ में काउंसलर की सहायता से सम्बन्धित व्यक्ति की काउसलिंग की जाती है। साथ ही निकोटेक्स की दवाई सम्बन्धित व्यक्ति को मुफ्त उपलब्ध करायी जाती है। इस मौके पर राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम की जिला सलाहकार श्वेता गुंसाई, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. पारुल गोयल, डीन स्टूडेंट वैलफेयर एच.एस. गोयल, जिला शिक्षा अधिकारी नागेन्द्र बर्थवाल, एसएचओ कोतवाली पौड़ी एन.के. भट्ट सहित प्रो. संजय गैरोला, दिनेश शाह, डॉ. अमित मेहरा व अन्य विभागीय कर्मचारी उपस्थित थे।

छात्र-छात्राओं ने ली नशा नहीं करने की शपथ

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : राजकीय महाविद्यालय सतपुली में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर शुक्रवार को छात्र-छात्राओं को नशा नहीं करने की शपथ दिलाई गई। साथ ही तंबाकू, धूम्रपान के प्रयोग से होने वाले नुकसान की जानकारी दी। प्रभारी प्राचार्य प्रो. राकेश इष्टवाल व एंटी ड्रग सेल की नोडल डा. दीप्ति के मार्गदर्शन में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया।

इस दौरान बच्चों को तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बचाना है थीम पर आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, अध्यापकों व कर्मचारियों से तंबाकू और धूम्रपान का प्रयोग नहीं करने और अन्य लोगों को नशा करने से रोकने की शपथ दिलाई। इस मौके पर एंटी ड्रग समिति के सदस्य डा. हरिकृष्ण सेमवाल, डा. शूरवीर सिंह आदि शामिल रहे।

आज निकलेगी जणदा देवी जात यात्रा

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : एकेश्वर ब्लॉक के ग्रामसभा नौगांव और गजेरा से जणदा देवी की जात यात्रा शनिवार (1 जून) को निकाली जाएगी।

शुक्रवार को ब्लॉक प्रमुख नीरज पांथरी ने बताया कि इस अवसर पर चौंदकोट क्षेत्र में भव्य मेले का भी आयोजन किया जाएगा। कहा कि पहाड़ की ग्रामीण संस्कृति को बनाए रखने के लिए पहले की तरह जात यात्रा व मेले को आकर्षक रूप दिया जाएगा।

उन्होंने क्षेत्र के लोगों व प्रवासियों से इस मेले में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

जनहित की योजनाओं को जिला योजनाओं में सम्मलित करें

नई टिहरी : भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल ने शुक्रवार को डीएम मयूर दीक्षित को पत्र प्रेषित कर जनहित की योजनाओं को जिला योजनाओं में सम्मलित करवाने की मांग की। पत्र के माध्यम से डीएम से मांग कर अवगत कराया कि जनपद के विभिन्न विकासखंडों की योजनाओं में ग्राम नंद गांव में पेयजल आपूर्ति टैंक व पाइप लाइन निर्माण को पेयजल निगम घनसाली को 20 लाख स्वीकृत करने, ग्राम पंचायत जसपूर थौलधार के पनियार खाला जल स्रोत मरम्मत के लिए चार लाख, स्यांसू रतवाड़ी नकोट खोली मोटर मार्ग के किमी. पर क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार निर्माण को लोनिवि चंबा को 10 लाख, चौराखेत नगेड़ मोटर मार्ग के धंसाव व पानी के टैंक के सुरक्षा दीवार निर्माण को 5 लाख लोनिवि चंबा, ग्राम पंचायत देवल ओणेश्वर महादेव मंदिर के मोटर मार्ग के प्रतीक्षालय के निर्माण को प्रांतीय खंड बौराड़ी को 4 लाख, चोपड़ा के मठियाली में यात्री सैड निर्माण को प्रांतीय खंड बौराड़ी को 5 लाख, होटल गैलेक्सी से मुख्य डाकघर नई टिहरी में पक्के रास्ते का निर्माण व रैलिंग कार्य के लिए प्रांतीय खंड बौराड़ी के लिए पांच लाख की राशि जिला योजना से स्वीकृत करने की मांग की है।

तंबाकू निषेध दिवस पर ली तंबाकू उत्पादों का उपयोग न करने की शपथ

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चमोली और राजकीय पॉलीटेक्निक रैली के सहयोग से तंबाकू निषेध जागरूकता कार्यशाला का आयोजन में किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव पुनीत कुमार एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एमएस खाती ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पुनीत कुमार ने कहा कि तंबाकू पूरे विश्व के लिए समस्या बन गई है। ऐसे में धूम्रपान व किसी भी प्रकार के तंबाकू के सेवन से युवाओं को बचना चाहिए। हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम अपने परिवार के साथ-साथ पास पड़ोस के लोगों को ऐसा नहीं करने के लिए प्रेरित करें। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने तंबाकू उत्पाद एवं नशीले पदार्थों से मानव शरीर और पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि चमोली को तंबाकू मुक्त करने हेतु सघन अभियान चलाया जा रहा है। जनपद के सभी विद्यालयों को तंबाकू मुक्त किया जाएगा। कार्यशाला में पॉलिटेक्निक के छात्रों के द्वारा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें धीरज सिंह नेगी ने प्रथम, सौरभ ने द्वितीय तथा रितेश रावत तृतीय स्थान हासिल किया। ऋषभ, मोनिका, आकाश बिष्ट, हरिशंकर, निखिल को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में राहुल डिमरी, ललित किमोठी आदि मौजूद रहे।

SUCHNA

That in my Assam Rifles documents and my pension payment order my son name spelling is wrongly written as vijaydip dwivedi where as my son correct name is Vijay Deep Dwivedi.

That where my son name is written wrongly as vijaydip dwivedi it should be read and write as Vijay Deep Dwivedi.

Ex-57129, Rank RFN/GD, SATISH CHAND DWIVEDI, 5 ASSAM RIFLES R/O Manpur, P.O. Kotdwara, Tehsil Kotdwara, Distt Pauri Garhwal, Uttarakhand, 246149. (0184/21)

एक नजर

शराब तस्कर गिरफ्तार

नई टिहरी : अवैध रूप से शराब की तस्करी करने वाले शातिर आरोपी को लंबगांव थाना पुलिस ने शुक्रवार को अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ आबकारी ऐक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस की मीडिया सेल से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम को लंबगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत भदूरा पट्टी के सेमधार कस्बे के पास चेकिंग के दौरान आरोपी त्रिवेंद्र सिंह राणा निवासी तिनवाल गांव थाना लंबगांव को ढाई पेटी अवैध शराब के साथ पकड़ा गया। पुलिस टीम में एएसआई बाबू खान, कांस्टेबल नीरज कुमार, अरविंद कुमार और भगवान सिंह शामिल रहे। (एजेंसी)

कांग्रेस ने तारबाड़ हटवाने की उठाई मांग

नई टिहरी : कांग्रेस के एससी विभाग के प्रदेश सचिव दिनेश कोहली ने डीएम मयूर दीक्षित को पत्र सौंपकर सुकण्डा देवी मन्दिर की जमीन पर पुलिस विभाग की लगाई तारबाड़ को 10 जून तक हटाने की मांग की है। कोहली का कहना है कि आगामी 16 जून यहां पर गंगा दशहरा मनाया जाना है। जिससे श्रद्धालुओं की भीड़ यहां पर उमड़ेगी। पत्र में डीएम को यह भी बताया गया कि सुरकंडा में सालों से सुरकंडा माता मंदिर है। इसलिए पुलिस विभाग से तारबाड़ हटवाई जाय। (एजेंसी)

कोटी के ग्रामीणों पेयजल किल्लत दूर करने की मांग

नई टिहरी : ब्लाक चंबा के तहत देवरी तल्ली के ग्राम कोटी के ग्रामीणों ने डीएम मयूर दीक्षित को पत्र सौंपकर गांव की पेयजल किल्लत को दूर करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्रामीणों को मवेशियों को पानी पिलाने में तक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों में गौरव, सोहन लाल कोठारी, बालेंद्र उनियाल, सतीश, सुनील आदि ने डीएम को सौंपे पत्र में बताया कि गांव में महीनों से निरंतर पेयजल किल्लत बनी हुई है। बार-बार की शिकायतों के बाद भी जल संस्थान ध्यान नहीं दे रहा है। निर्माणाधीन सोलर पंपिंग योजना को जल्द से जल्द पूरा करवाया जाय, ताकि ग्रामीणों की पेयजल किल्लत दूर हो सके। (एजेंसी)

जंगलों की आग नक्षत्र वेधशाला तक पहुंची

नई टिहरी : देवप्रयाग के निकट तुणगी गांव में शरारती तत्वों की लगाई आग तेजी से फैलती हुई शुक्रवार को नक्षत्र वेधशाला संस्था तक पहुंच गई। जिससे यहां हड़कंप मच गया। वेधशाला संस्था में मौजूद शोधार्थियों, साधकों और संतों ने संस्था के निकट आ चुकी आग को काबू करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। इनमें कई लोग आग की चपेट में आते-आते बचे। क्षेत्र के लोगों ने डीएम टिहरी से यहां आग लगाने वाले शरारती तत्वों को कड़ी सजा दिए जाने की मांग की है। (एजेंसी)

सरकार की नीतियों के विरोध में व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

रूद्रप्रयाग : चारधाम यात्रा में उत्तराखंड सरकार द्वारा आफलाइन रजिस्ट्रेशन बंद करने और रास्ते में अनावश्यक बैरियर लगाए जाने के विरोध में केदारघाटी होटल एसोसिएशन ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया।

श्री केदारधाम होटल ऑनर्स एसोसिएशन के बैनर तले शुक्रवार को अध्यक्ष प्रेम गोस्वामी के नेतृत्व में केदारघाटी के समस्त होटल लॉज, ढाबा, जीप टैक्सी यूनियन सहित यात्रा पर आश्रित समस्त व्यवसायियों ने जुलूस प्रदर्शन कर अपना विरोध प्रकट किया। केदारघाटी के समस्त व्यवसाई प्रातः दस बजे सीतापुर स्थित पाटी गाड़ पुल पर एकत्रित हुए। व्यवसाइयों ने पाटीगाड़ पुल से अशोका पैलेस तक जुलूस निकाला जिसमें सरकार की चार धाम विरोधी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। उसके पश्चात बायपास तिराहे पर प्रदेश सरकार की यात्रा विरोधी गलत नीतियों का पुतला दहन किया गया। विरोध प्रदर्शन में होटल एसोसिएशन को व्यपार संघ एवं जीप टैक्सी यूनियन गुप्तकाशी का पूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ। (एजेंसी)

सब्जी मंडी में सिंगल यूज पॉलीथिन के खिलाफ अभियान चला

देहरादून। नगर निगम ने शुक्रवार को निरंजनपुर सब्जी मंडी में सिंगल यूज पॉलीथिन के खिलाफ अभियान चलाया। निगम की पांच टीमों ने तीन लाख 50 हजार 100 रुपये जुर्माना भी वसूला। इसके साथ ही साढ़े नौ कुंतल पॉलीथिन जब्त किया है।नगर निगम की टीम पिछले लंबे समय से निरंजनपुर सब्जी मंडी में रेकी कर रही थी।

शुक्रवार को पांच टीमें नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खन्ना के नेतृत्व में निरंजनपुर मंडी पहुंची और चेकिंग शुरू की।

भाषण प्रतियोगिता में अंशिका व अनामिका अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में आयोजितं जागरूकता रैली, संगोष्ठी व भाषण प्रतियोगिता में तंबाकू की लत को आज ही छोड़ने पर जोर दिया गया। भाषण प्रतियोगिता में अंशिका व अनामिका अपने-अपने वर्ग में अव्वल रहे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, रूद्रप्रयाग व नशामुक्ति संगठन गुप्तकाशी के बैनर तले राइंका गुप्तकाशी के रासेयो स्वयं सेवियों, अटल आदर्श इंटर कालेज गुप्तकाशी, एमएल पब्लिक स्कूल, जीआईसी नारायण कोटी, आयुर्वेद फार्मेसी के छात्र-छात्राओं, प्रजापिता ब्रहमकुमारी संगठन व नशामुक्ति संगठन से जुड़े सदस्य लोनिवि पारिसर के समीप एकत्र हुए, जहां से हाथों में तंबाकू निषेध से संबंधित तख्तियां लिए छात्रों ने मुख्य बाजार में रैली निकाल तंबाकू निषेध का संदेश दिया। एमएल पब्लिक स्कूल नाला में आशा प्रसाद सेमवाल की अध्यक्षता में आयोजित संगोष्ठी में ग्राम प्रधान कल्पेश्वरी भंडारी, प्रधानाचार्य प्रदीप सेमवाल, दिनेश चंद्र थपलियाल, मनोज सेमवाल, व्यापार संघ अध्यक्ष चुन्नीलाल सेमवाल, ब्रह्मकुमा शिवानी, पूनम व कंसलटेंट दीपक नौटियाल ने कहा कि कैंसर जैसी भयावह बीमारी को बढ़ावा देने में तंबाकू सबसे आगे है। उन्होंने स्वस्थ भारत के संकल्प की प्राप्ति के लिए आज ही तंबाकू छोड़ने की अपील की। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में तंबाकू व उसके दुष्प्रभाव विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, भाषण प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में जीआईसी नारायण कोटी की छात्रा अंशिका ने प्रथम, अटल आदर्श इंटर कालेज गुप्तकाशी के प्राकूल ने द्वितीय चिल्ड्रन एकेडमी की दृष्टि नेगी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, वहीं जूनियर वर्ग में चिल्ड्रन एकेडमी की अनामिका व पल्लवी ने क्रमशः पहला व दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि अटल आदर्श इंटर कालेज गुप्तकाशी की लक्ष्मी ने तीसरा स्थान हासिल किया। इस अवसर पर आरकेएसके काउंसलर विपिन सेमवाल, एनटीसीपी शोसल वर्कर दिगपाल कंडारी, नागेश्वर बगवाड़ी आदि मौजूद रहे।

ध्वस्तीकरण के नोटिसों की जांच की मांग को लेकर कांग्रेस ने की मुख्य सचिव से मुलाकात

देहरादून। कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने शुक्रवार को बस्तियों में ध्वस्तीकरण के नोटिसों की जांच की मांग को लेकर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी से मुलाकात की। पूर्व कैबिनेट मंत्री चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने ध्वस्तीकरण के नोटिस दिए जाने को गलत ठहराया। मुख्य सचिव ने ध्वस्तीकरण से पहले नोटिसों की जांच के निर्देश दिए हैं।कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर बस्तियों में अतिक्रमण की भूमि पर लोग निवास कर रहे थे, तो फिर इन्हें सरकारी सुविधाएं किस आधार पर दी जा रही थीं। इसलिए सभी नोटिसों की फिर से जांच होनी चाहिए। कोई बेघर न हो इसके लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि सभी मलिन बस्तियों वर्षों पहले से बसीं है। 2016 में सरकार इनका सर्वे कर चुकी है। रिपोर्ट कैबिनेट की मंजूरी के बाद विधानसभा में पास हुई और 02 अक्तूबर 2016 को 90 लोगों को मालिकाना हक भी दिया गया। उसी रिपोर्ट के आधार पर मलिन बस्ती में रहने वाले सभी लोगों को मालिकाना हक दिया जाना चाहिए। प्रीतम सिंह ने बताया कि मुलाकात के दौरान मुख्य सचिव ने एमडीडीए उपाध्यक्ष और जिलाधिकारी देहरादून से भी फोन बर बात की, उन्होंने ध्वस्तीकरण से पहले सभी नोटिसों की जांच के निर्देश दिए। प्रतिनिधिमंडल में प्रीतम सिंह के साथ पूर्व विधायक राजकुमार, महामंत्री गोदावरी थापली, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा, अर्जुन सोनकर, महिला कांग्रेस की महानगर अध्यक्ष उर्मिला थापा, राकेश पंवार, निखिल कुमार समेत अन्य मौजूद रहे।

बिजली कटौती पर जताई चिंता

कांग्रेस नेता प्रीतम सिंह ने मुख्य सचिव के सामने दून शहर में अघोषित बिजली कटौती का मुद्दा भी रखा। उन्होंने कहा कि इस गर्मी में लोग परेशान है।

दिल्ली चैलेंजर्स गोल्ड कप के फाइनल में पहुंची

देहरादून। गोल्ड कप के पहले सेमीफाइनल में दिल्ली चैलेंजर्स ने भगमेंद्र की घातक गेंदबाजी के दम पर डीवाई पाटिल मुंबई को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज रायपुर में शुक्रवार को दोनों टीमों के बीच मैच खेला गया।दिल्ली चैलेंजर्स ने टॉस जीतकर डीवाई पाटिल मुंबई को पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण दिया।

मुंबई की शुरुआत तो सधी हुई रही, लेकिन बाद में भगमेंद्र की गेंदबाजी के आगे टीम के विकेट गिरते चले गए। मुंबई के लिए प्रियम गर्ग ने सर्वाधिक 106 रनों की पारी खेली। इसके अलावा विपिन ने 38 रन बनाए और टीम 39.3 ओवर में 234 रनों पर ऑल आउट हो गई। भगमेंद्र ने छह ओवर में 36 रन देकर पांच विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली चैलेंजर्स शुरुआत से ही आक्रमक रही।

छात्रों ने हिमालय संरक्षण को लेकर किया जागरूक

चमोली : भावी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने शुक्रवार को हिमालय के संरक्षण, धरती को प्लास्टिक मुक्त रखने और युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहने के लिए नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। महाविद्यालय गोपेश्वर में स्व वित पोषित बीएड की छात्र-छात्राओं ने अलग-अलग ग्रुपों के माध्यम से रचनात्मक कार्यों के लिए समाज से अपील की। विभागाध्यक्ष डॉ. आरके यादव, डॉ. समीक्षा, डॉ. रुपिन, डॉ. बबीता ने हिमालय के संरक्षण में सबकी भूमिका और इसके लिए साधना की तरह सहयोग की अपील की। प्लास्टिक मुक्त धरती का संकल्प के लिए नुक्कड़ नाटक के जरिये अपील की गई। इस दौरान चारधाम यात्रा पर आए यात्रियों और पर्यटकों से अनुरोध किया गया कि वे प्लास्टिक और पालीथीन को साथ लेकर बिलकुल नहीं आए। बीएड की प्रवक्ता डॉ. रुपिन ने कहा बीएड की छात्रा छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से युवाओं को हर प्रकार के नशे से दूर रहने का आह्वान किया। (एजेंसी)

यात्रा मार्ग से जिला प्रशासन एवं पुलिस की टीम ने हटाया अतिक्रमण

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : श्री केदारनाथ धाम की यात्रा को सुगम एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है तथा दर्शन करने पहुंच रहे तीर्थ यात्रियों के लिए सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में निरंतर कार्य किया जा रहा है, जिससे कि दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की कोई असुविधा एवं परेशानी न होने पाए।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि श्री केदारनाथ धाम की यात्रा में यातायात एक चुनौती है तथा यातायात व्यवस्था को निर्बाधित ढंग से संचालित करने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग एवं यात्रा मार्ग के संवेदनशील क्षेत्रों में किए गए अतिक्रमण को प्रशासन द्वारा कड़ी कार्यवाही करते हुए अतिक्रमण को हटाया जा रहा है, ताकि यातायात

निर्वाधित ढंग से संचालित होता रहे एवं जाम की स्थिति उत्पन्न न हो एवं संवेदनशील क्षेत्रों में किसी तरह की कोई अप्रिय घटना घटित न होने पाए। उन्होंने बताया कि सोनप्रयाग शटल पार्किंग पुल के समीप भंडारे का संचालन हो रहा था किन्तु भंडारे संचालक द्वारा नियमों एवं शर्तों का पालन न करने के कारण उक्त भंडारे को उक्त स्थल से हटवा दिया गया है। इस दौरान सेक्टर अधिकारी सोनप्रयाग सहित सुरक्षाकर्मी एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

केदारनाथ धाम पहुंची 'थार' एसयूवी, बुजुर्ग-बीमार तीर्थयात्री व अति विशिष्ट अतिथि को मिलेगी सुविधा

रुद्रप्रयाग : उत्तराखंड चारधाम यात्रा के शुभारंभ होने के साथ ही तीर्थ यात्री भारी संख्या में दर्शन करने को पहुंच रहे हैं। बदरीनाथ, यमुनोत्री-गंगोत्री चारधाम यात्रा रूट पर भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। इसी के बीच केदारनाथ धाम से जुड़ा बड़ा अपडेट सामने आया है।

केदारनाथ धाम में भारतीय वायुसेना के चिनूक हेलीकॉप्टर की मदद से 'थार' एसयूवी पहुंचा दी गई है। पर्यटन विभाग से स्वीकृत यह थार पीडब्ल्यूडी की इलेक्ट्रॉनिक एंड मैकेनिकल यूनिट द्वारा खरीदी गई है। शुक्रवार सुबह एयरफोर्स के चिनूक हेलीकॉप्टर की मदद से थार एसयूवी को सुरक्षित केदारनाथ धाम हेलीपैड पर पहुंचा दिया गया है।

हेलीपैड पर पहुंचने के बाद थार को चालक द्वारा सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया। एक थार की कीमत करीब 12 लाख से अधिक बताई गई है। लोक निर्माण विभाग डीडीएमए के अधिशासी अभियंता विनय झिंकवाण ने बताया कि चिनूक हेलीकॉप्टर की मदद से थार को केदारनाथ धाम पहुंचा दिया गया है। बताया कि एक और थार को जल्द ही चिनूक की मदद से केदारनाथ पहुंचा दिया जाएगा। इस तरह केदारनाथ में अब दो थार उपलब्ध रहेंगी। जो बुजुर्ग तीर्थ यात्रियों के साथ ही मेडिकल इमरजेंसी में मददगार साबित होगी।

वाटर कूलर नहीं लगने पर रोडवेज कर्मचारी करेंगे कार्यबहिष्कार

देहरादून। उत्तराखंड रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद ने ट्रांसपोर्टनगर वर्कशॉप, मसूरी बस स्टेशन और प्रशासनिक कार्यालय में वाटर कूलर नहीं लगाने पर आक्रोश जताया है। कर्मचारियों ने प्रबंधन को शनिवार से कार्य बहिष्कार का नोटिस थमा दिया है।मंडलीय प्रबंधक संचालन और तकनीकी को भेजे नोटिस में क्षेत्रीय मंत्री राकेश पेटवाल ने कहा कि दून में लगातार गर्मी बढ़ रही है। तापमान 43 डिग्री तक पहुंच गया है, लेकिन रोडवेज के वर्कशॉप, प्रशासनिक कार्यालय और बस स्टेशन पर वाटर कूलर नहीं होने से कर्मचारियों के साथ ही यात्रियों को भी ठंडा पानी नहीं मिल पा रहा है। परिषद कई बार वाटर कूलर लगाने की मांग कर चुका है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है, जिस कारण कर्मचारियों ने शनिवार से मसूरी बस स्टेशन, ट्रांसपोर्टनगर वर्कशॉप और प्रशासनिक कार्यालय में कार्यबहिष्कार करने का निर्णय लिया है।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की कैद

देहरादून। विशेष न्यायाधीश पोक्सो अर्चना सागर ने नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल के कठोर कारावास और 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। युवक ने दो साल पहले देहरादून रेलवे स्टेशन पर किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म किया था। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता अल्पना थापा ने बताया कि 01 मार्च 2022 को एक परिवार मथुरा से मसूरी घूमने आया था।

3 मार्च को मसूरी घूमने के बाद परिवार मथुरा लौटने के लिए देहरादून रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रहा था। इस दौरान परिवार में शामिल किशोरी सामान लेने के लिए रेलवे स्टेशन से बाहर गई थी। जब वो काफी देरतक वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने जीआरपी थाने में केस दर्ज कराया। पुलिस की छानबीन में पता चला कि किशोरी को इमरान पुत्र जैकम निवासी कोसी कला थाना मंडी मथुरा जबरदस्ती रेलवे स्टेशन से दिल्ली ले गया। किशोरी ने कोर्ट में बताया कि वो इमरान को चार साल से जानती थी। इमरान ने नाम बदलकर उससे दोस्ती की। इमरान पहले से शादीशुदा था, उसके तीन बच्चे थे। यह बात किशोरी को पता नहीं थी। आरोप था कि वो पहले भी किशोरी के साथ डरा धमकाकर दुष्कर्म कर चुका था।

इस दौरान उसके अश्लील फोटो खींचे गए, जिन्हें दिखाकर बाद में उसे ब्लैकमेल किया जा रहा था। उसने बताया कि देहरादून से दिल्ली और बाद में वो उसे फरीदाबाद ले गया। यहां भी शारीरिक संबंध बनाए। कोर्ट ने तमाम सबूतों और गवाओं को सुनने के बाद आरोपी इमरान को दोषी पाया और सजा सुनाई।

नशा मुक्ति अभियान को जनांदोलन बनाने की अपील

देहरादून। नशा मुक्ति के अभियान को जनांदोलन बनाना होगा। खासकर युवाओं को इसमें आगे आना होगा। क्योंकि कोई भी आंदोलन युवाओं के बिना अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकता है।

ये बात मैती आंदोलन के जनक पद्मश्री कल्याण सिंह रावत ने शुक्रवार को सीआईएमएस कुआंवाला में तंबाकू के खिलाफ आयोजित जागरुकता कार्यशाला में कही।कार्यक्रम का आयोजन जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ स्वास्थ्य विभाग और मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति की ओर से किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत में संस्थान के छात्र छात्राओं ने तंबाकू निषेध पर केंद्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। स्वास्थ्य विभाग की ओर से नुक्कड़ दल ने तंबाकू मुक्त अभियान पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।तंबाकू मुक्त समाज और जीवन विषय पर विभिन्न छात्र छात्राओं ने पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रस्तुतिकरण देने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया। इसके बाद साइकोलॉजिस्ट डा. अनुराधा ने युवाओं को तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक किया। करने के लिए प्रस्तुतिकरण दिया गया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय जैन ने कहा कि युवाओं को तंबाकू से दूर रखना होगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि एक्टिव स्मोकर से ज्यादा पैसिव स्मोकिंग को कम करने पर काम करना होगा। संस्थान के अध्यक्ष एडवोकेट ललित जोशी ने कहा कि वे सालो से नशा मुक्ति के खिलाफ युवाओं के बीच अभियान चला रहे हैं। कहा कि शिक्षा और सामाजिक बदलाव से ही हम युवाओं को नशे से दूर रख सकते हैं। उन्होंने नशे को समाज व देश का सबसे बड़ा दुश्मन बताया।

इस दौरान पूर्व शिक्षा निदेशक पुष्पा मानस, आईआईपी के निदेशक डॉ हरेंद्र बिष्ट, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ निधि रावत, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ प्रदीप रावत, जिला सलाहकार एनटीसीपी अर्चना उनियाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

ध्वस्तीकरण की कार्रवाई का विरोध किया

देहरादून। निवर्तमान पार्षद उर्मिला थापा ने एमडीडीए और नगर निगम की ओर से बस्तियों में मकानों के ध्वस्तीकरण करने की कार्रवाई का विरोध जताया। उन्होंने कहा कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई अनैतिक तरीके से की जा रही है। उन्होंने सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ने काठबगला बस्ती और गैस गोदाम के पास गब्बर बस्ती के लोगों को यह आश्वासन दिया गया था की उनके रहने के लिए पक्के मकान की व्यवस्था करेगी, लेकिन अब सरकार मुकरने लगी है और गरीब लोगों को पक्के घर देने के बजाय बेघर किया जा रहा है।

सीएस ने अधिकारियों को औपचारिकताओं से हटकर प्रो–एक्टिव होकर कार्य करने की नसीहत दी

देहरादून। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने जनहित में सभी निर्माण एवं कार्य स्थलों पर अनिवार्य रूप से इस सूचना के प्रचार–प्रसार के निर्देश दिए हैं कि उत्तर-खण्ड में अन्य राज्यों से आए श्रमिकों को भी उनके राशन कार्ड के माध्यम से राशन दिया जा रहा है। इस मामले में उत्तराखण्ड राज्य का देशभर में 6वां स्थान है, यह एक बेहतरीन रिकॉर्ड है। इसके साथ ही शुक्रवार को महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग की राज्य स्तरीय मूल्यांकन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक में सीएस राधा रतूड़ी ने निदेशालय स्तर पर इंटिग्रेटेड डाटा बेस हेतु स्टेट रिसोर्स सेन्टर के गठन की स्वीकृति दी। यह स्टेट रिसोर्स सेन्टर रियल टाइम डाटा उन्होंने सम्बन्धित सचिव को सभी जिलाधिकारियों को जनपदों में आवासीय कॉलोनियों में बाल श्रम पर पूर्णतः प्रतिबन्ध हेतु सर्कुलर जारी करने हेतु तत्काल निर्देश जारी करने के निर्देश भी दिए। मुख्य सचिव ने शिक्षा विभाग को बाल विवाह से मुक्त करवाई गई बालिकाओं हेतु आवासीय विद्यालयों एवं हॉस्टल में शिक्षा की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। पिथौरागढ़ एवं हरिद्वार जिलों में बाल विवाह व चंपावत में मानव तस्करी के अधिक मामलों को गम्भीरता से लेते हुए सीएस रतूड़ी ने विभाग को प्रत्येक जिले हेतु अलग–अलग एक्शन प्लान बनाने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतों के सम्बन्ध में अनिवार्यतः आन्तरिक परिवाद समिति समितियों के गठन को लेकर सभी विभागों, सरकारी संगठनों, प्राधिकरणों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, संस्थानों, निकायों, समस्त की स्थिति स्पष्ट करने वाली रिपोर्ट भी तलब की। इसके साथ ही मुख्य सचिव ने बैठक में मौजूद एनजीओ, सामाजिक सेवा संस्थानों व विभागों से राज्य में कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी से सम्बन्धित रिपोर्ट एवं कार्यबल में महिला हिस्सेदारी बढ़ाने हेतु कार्ययोजना बनाने के भी निर्देश दिए।

दूसरी शादी कर पहली पत्नी को निकाला

रुड़की। शादी के पांच साल बाद भी बच्चा न होने पर युवक ने दूसरी शादी कर पहली पत्नी को घर से निकाल दिया। विरोध करने पर उससे जमकर मारपीट की।

सूचना पर पहुंचे पिता ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। मामले में पीड़िता के पति सहित पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ है।लक्सर के मुस्तकीम ने बताया कि मार्च 2019 में उसकी बेटी सहरीन की शादी सुल्तानपुर निवासी शारुख से हुई थी। सालों बाद भी सहरीन को बच्चा नहीं हुआ। इस पर मुस्तकीम ने बेटी व दामाद, दोनों को डॉक्टरी जांच कराने की सलाह दी। लेकिन वे उसे डॉक्टर के बजाय पीर, फकीर, तांत्रिकों के पास ले गए। फिर भी फायदा नहीं हुआ, तो वे सहरीन को मारपीट करने लगे। आरोप है कि दो, तीन दिन पूर्व शारुख नसरीन नामक दूसरी महिला को अपने साथ घर ले आया। बताया कि बच्चे के लिए उसने नसरीन से दूसरी शादी कर ली है। उसने नसरीन से शादी का निकाहनामा दिखाया और परिवार के साथ मिलकर सहरीन को घर से निकालने लगा। एतराज करने पर उन्होंने सहरीन से बुरी तरह मारपीट की। सहरीन से सूचना मिलने पर मुस्तकीम वहां पहुंचे और मारपीट से घायल सहरीन को एक अस्पताल ले जाकर इलाज कराया। इसके बाद उसने कोतवाली में तहरीर दी।

बीपीएड बेरोजगार करेंगे 21 जून को शिक्षा मंत्री आवास पर प्रदर्शन

देहरादून। सरकारी स्कूलों में शारीरिक शिक्षा के शिक्षकों की नियुक्ति के लिए बीपीएड एमपीएड प्रशिक्षित बेरोजगार संगठन ने आंदोलन की चेतावनी दी है। शुक्रवार को संगठन के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश चंद्र पांडे ने बताया कि आगामी 21 और 22 जून को शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के यमुना कालोनी स्थित सरकारी आवास के बाहर प्रदर्शन किया जाएगा। कई मर्तबा वादे करने के बावजूद कार्यवाही न होने से बेरोजगारों में नाराजगी है।

पांडे ने कहा कि वर्ष 2006 से बीपीएड एमपीएड प्रशिक्षित बेरोजगार नियुक्ति के लिए इंतजार कर रहे हैं। हर बार सरकारी नुमाइंदे वादा करते हैं कि कार्यवाही की जाएगी। पद सृजन कर नियुक्तियां शुरू कर दी जाएगी। पर आज 18 साल हो चुके हैं, कोई कार्यवाही नहीं हुई।

म्यामांर में फंसे युवक के साथ धोखाधड़ी करने वालों पर हो कार्यवाही

ऋषिकेश। कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने प्रतीतनगर रायवाला निवासी युवक के म्यांमार में फंसने को लेकर शुक्रवार को एसएसपी देहरादून से वार्ता की। उन्होंने युवक की सकुशल वापसी तथा विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले पर कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मंत्री अग्रवाल शुक्रवार को इंद्रा कॉलोनी प्रतीतनगर पहुंचे। वहां उन्होंने म्यांमार में फंसे युवक विधान के परिजनों से मुलाकात की। रंजीता गौतम ने बताया कि उनका 22 वर्षीय बेटा विधान गौतम 21 मई को एक कंपनी के माध्यम से काम के लिए थाइलैंड निकला था। युवक थाइलैंड न पहुंचकर म्यामांर पहुंच गया। कहा कि यह जानकारी स्वयं विधान गौतम ने फोन पर ऑडियो के माध्यम से उन्हें दी है। कहा कि उनके बेटे विधान के साथ धोखाधड़ी हुई है। विधान ने ऑडियो के जरिये बताया कि म्यांमार में उन पर अत्याचार किया जा रहा है। परिजनों के साथ वार्ता करने के बाद मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने एसएसपी देहरादून को फोन किया। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि युवक के साथ जिस कंपनी के लोगों ने धोखाधड़ी कर म्यांमार बॉर्डर पर भेजा है, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाए। साथ ही युवक की सकुशल वापसी के लिए रास्ता निकालने के लिए भी कहा। मंत्री ने परिजनों को इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भी वार्ता करने का भरोसा दिया। मौके पर युवक के पिता सीताराम गौतम, प्रधान सागर गिरी, राजेश जुगलान, बीना बंगवाल आदि उपस्थित रहे।

दो वारंटी गिरफ्तार

रुड़की। न्यायालय के वारंट से फरार चल रहे दो वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। उप निरीक्षक प्रमोद कुमार ने बताया कि न्यायालय के वांरट से फरार चल रहे नोशाद निवासी सिरचन्दी थाना भगवानपुर व आजाद निवासी रविदास मंदिर भगवानपुर को पुलिस ने बीती रात उनके घरों पर दबीश देकर गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com